A Daily News Magazine
इंदौर
बुधवार, 08 मई, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 201 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

राहुल गांधी ने वायनाड 'छोड़ा' तो केरल में कांग्रेस मुश्किल में होगी?

रेजिमोन कुट्टप्पन

नामांकन की समय सीमा से बमुश्किल एक घंटे पहले, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए रायबरेली से अपना पर्चा दाखिल किया। वो केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस की इस राणनीति को भारतीय जनता पार्टी की आलोचना के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। बीजेपी ने कथित तौर पर हिंदी पट्टी से चुनावों में परहेज करने के लिए राहुल का मजाक उड़ाया था। हालांकि इस बात पर काफी बहस चल रही है कि राहुल ने उत्तर भारत में अमेठी की जगह रायबरेली को क्यों चुना? वहीं केरल में कांग्रेस को अपनी ही चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस को अपने मतदाताओं को आश्वस्त करना होगा। इसके साथ ही अगर राहुल रायबरेली में जीतते हैं तो वायनाड के लिए एक नया उम्मीदवार ढूंढना होगा। दूसरी तरफ इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को भी समझाना होगा, जो वायनाड में राहुल का समर्थन कर रही है। इसके अलावा उसे मीडिया का भी सामना करना पड़ेगा।

2019 के आम चुनावों में कांग्रेस ने वायनाड संसदीय क्षेत्र से प्रदेश के ही नेता टी सिद्दीकी को मैदान में उतारा था। हालांकि, जब कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने राहुल को अमेठी के साथ-साथ वायनाड से उम्मीदवार घोषित किया, तो सिद्दीकी ने अपना नाम वापस ले लिया। चुनाव में राहुल ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के उम्मीदवार पीपी सुनीर को 4.31 लाख वोटों से हराया। उस साल वायनाड में 80.31 प्रतिशत से थोड़ा अधिक मतदान हुआ था, जबकि देश में वोटिंग का औसत सिर्फ 73.25 प्रतिशत था।

जैसा कि बीजेपी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और उसके नेता नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री के रूप में दूसरे कार्यकाल की उम्मीद कर रहे थे, वहीं जमीनी स्तर पर लोगों की भावना थी कि कांग्रेस सत्ता में आएगी और राहुल गांधी देश का नेतृत्व करेंगे। इस भावना ने मतदाताओं को गहराई से प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप वाम मोर्चा को केरल की 20 संसदीय सीटों में से केवल एक सीट मिली। केरल के मतदाताओं ने राहुल की स्थिति मजबूत करने के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों को 19 सीटें तोहफे में दीं। इस जीत में आईयूएमएल की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

चूंकि अब कांग्रेस का लक्ष्य राहुल को रायबरेली में भी जीत दिलाना है, ऐसे में आईयूएमएल नेतृत्व के समर्थन के बावजूद, केरल में पार्टी के लिए कई चुनौतियां हैं। कांग्रेस नेताओं को आश्चर्यचकित करते हुए, आईयूएमएल नेता पीके कुन्हालीकुट्टी ने कहा है कि राहुल के रायबरेली से चुनाव लड़ने के फैसले से इंडिया ब्लॉक की संभावनाओं को बल मिलेगा। कुन्हालीकुट्टी के इस बयान से केरल में कांग्रेस को कुछ राहत मिल सकती है, जिसमें कहा गया है कि अगर राहुल रायबरेली जीतते हैं और वायनाड छोड़ते हैं तो आईयूएमएल अपनी तीसरी संसदीय सीट के रूप में वायनाड पर जोर नहीं देगी।

हालांकि, राहुल के वायनाड छोड़ने के बाद यहां के मदताओं की चिंताओं को दूर करना केरल कांग्रेस नेतृत्व के लिए बड़ी चुनौती होगी। अमेठी के विपरीत, राहुल वायनाड में अधिक सक्रिय थे और उन्होंने मतदाताओं के साथ एक मजबूत संबंध स्थापित किया था। जिससे यहां के मतदाताओं में यह भावना पैदा हुई कि राहुल वास्तव में उनमें से एक हैं। अगर राहुल रायबरेली जीतते हैं और वायनाड छोड़ते हैं, तो पार्टी लोगों को कैसे समझाएगी। यहां अंतर्कलह शुरू हो सकती है। कई स्थानीय नेताओं के बीच इस सीट को लेकर खींचतान देखने को मिल सकती है। राज्य में पिछले आठ साल और केंद्र में दस साल से सत्ता से बाहर होने के बावजूद, केरल में कांग्रेस अपनी गुटबाजी के लिए जानी जाती है।

हालांकि, कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का सुझाव है कि अगर प्रियंका गांधी वायनाड में उपचुनाव लड़ती हैं तो परेशानी से बचा जा सकता है। प्रियंका देशभर में कांग्रेस के चुनाव अभियान में सक्रिय हैं, वायनाड से उनकी उम्मीदवारी को लेकर अभी से अकटलें लगाई जा रही हैं। आईयूएमएल के समर्थन के साथ वो एक बड़ी जीत दर्ज कर सकती हैं। प्रियंका की उम्मीदवारी से 2026 के केरल विधानसभा चुनावों में पार्टी की सत्ता में वापसी की संभावना भी बढ़ सकती है। प्रियंका की उम्मीदवारी से कांग्रेस वायनाड के मतदाताओं को समझा सकती है कि राहुल ने ये सीट क्यों छोड़ी। इसके साथ ही आईयूएमएल के साथ गठबंधन बरकरार रखते हुए पार्टी के अंदर गुटबाजी को भी कम किया जा सकता है। हालांकि, पार्टी को वाम दलों और मीडिया के नैरेटिव को मैनेज करने में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गुट का हिस्सा होने के बावजूद, वाम दल का केरल में कांग्रेस के साथ मतभेद है। वायनाड से चुनाव लड़ने पर केरल के वामपंथी नेता राहुल का मजाक बना चुके हैं।

प्रचार के दौरान, जब राहुल ने इस बात पर हैरानी जताई कि केरल के मुख्यमंत्री और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता पिनाराई विजयन बीजेपी की आलोचना के बजाय चौबीसों घंटे उन पर हमला रहे हैं, तो पिनाराई ने अपने जवाबी भाषण में स्वर्गीय इंदिरा गांधी का जिक्र करके जवाब दिया। केरल में हर दूसरे दर्जे का वामपंथी नेता वायनाड में राहुल की उम्मीदवारी से नाराज है, खासकर जब वो सीपीआई नेता एनी राजा के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए एनी ने कहा कि राहुल ने वायनाड के मतदाताओं के साथ अन्याय किया है।

केरल में कांग्रेस वायनाड और रायबरेली के बीच राहुल के चुनाव लड़ने से जुड़ी चुनौतियों से पार पा सकती है, लेकिन मीडिया के नैरेटिव की वजह से पार्टी को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। शुक्रवार को केरल के सभी प्रमुख न्यूज चैनल मोदी के भाषण से उत्साहित होकर राहुल को निशाना बना रहे थे। एक रैली में मोदी ने कहा था कि कांग्रेस के 'शहजादे' (राहुल गांधी) वायनाड से भाग गए हैं, अमेठी में चुनाव नहीं लड़ेंगे और रायबरेली में कहीं घूम रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि केरल के अधिकांश न्यूज चैनलों के प्राइम-टाइम बहस में यह सवाल था, 'क्या राहुल भाग गए हैं?'

टीवी पर डिबेट करने वालों ने मोदी के बयान का समर्थन करते हुए सवाल उठाया कि राहुल ने अमेठी के बजाय रायबरेली को क्यों चुना। कुछ एंकरों ने तो यहां तक कह दिया कि राहुल रायबरेली में जीतने के बजाय अमेठी में हार जाएं। ऐसे नैरेटिव से केरल में कांग्रेस पर गंभीर प्रभाव पड़ने की संभावना है।

(द क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बंगाल-असम में बम-बम
बिहार-महाराष्ट्र में नहीं दिखा दम

11 राज्यों की 93 सीटों पर मतदान खत्म, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 7 बजे से जारी वोटिंग शाम छह बजे खत्म हो गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक, 64.08 फीसदी लोगों ने वोट डाले। असम में सबसे ज्यादा 75 फीसदी, सबसे कम महाराष्ट्र में 53 फीसदी लोगों ने मतदान किया। बिहार में वोटिंग के दौरान पीठासीन अधिकारी और होमगार्ड जवान की मौत हो गई है। छत्तीसगढ़ के जशपुर में मतदान करने पहुंचे एक बुजुर्ग वोटर की मौत हो गई। वहीं, पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के भाजपा कैंडीडेट और टीएमसी समर्थक के बीच झड़प हुई है। यूपी के संभल में पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। इसमें कुछ लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद स्थित निशान हायर सेकेंडरी स्कूल में वोट डाला। उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री सफेद कुर्ता-पायजामा और भगवा जैकेट पहने हुए थे। वहीं अमित शाह सफेद कुर्ता-पायजामा के साथ भगवा रंग का गमछा लिए हुए थे। पीएम मोदी कार से उतरने के बाद अमित शाह के साथ पैदल ही लोगों का अभिवादन करते हुए बूथ तक पहुंचे और मतदान किया। वोट डालने के बाद प्रधानमंत्री ने बच्चों के हाथ पर ऑटोग्राफ दिया। लोगों के साथ तस्वीरें क्लिक करवाईं। एक बच्ची को गोद में लेकर हवा में उछाला।

नाव से बूथ तक पहुंचे वोटर्स, महिलाओं का भी जोश हाई

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में बिहार की 5 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग हो गई है। इसमें मधेपुरा, सुपौल, अररिया, खगड़िया और मिथिलांचल का झंझारपुर शामिल हैं। वोटिंग के दौरान कई ऐसी तस्वीरें सामने आईं, जिसे लोकतंत्र की खूबसूरती से नवाजा जा सकता है। कई बूथ पर महिला वोटर्स की लंबी कतार नजर आई तो कहीं नाव से वोट देने पहुंचे। पहली बार मतदान की करने की खुशी नजर आई। कहीं दिव्यांगता को धता बता बुजुर्ग महिला पहुंचीं।

मुरैना में व्यापारियों का हंगामा, पुलिस ने खदेड़ा

म.प्र. में शाम 6 बजे तक 66.12 प्रतिशत मतदान

- भिंड में फर्जी मतदान की बात पर दो पक्ष भिड़े; चंबल में दबंगों ने फूंका दलित का घर
- दिग्विजय की सीट राजगढ़ में 72.08 प्रतिशत मतदान
- शिवराज की सीट विदिशा में 69.2 प्रतिशत मतदान
- सिंधिया की सीट गुना में 68.93 प्रतिशत मतदान

भोपाल/मुरैना/भिंड (नप्र)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मध्यप्रदेश की 9 सीटों पर भी वोटिंग हुई। दोपहर 6 बजे तक इन 9 सीटों पर 66.12 प्रतिशत मतदान हुआ था। सबसे ज्यादा दिग्विजय की सीट राजगढ़ में मतदान हुआ है। यहां 72.99 प्रतिशत वोटर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं। शिवराज की सीट विदिशा में 69.2 प्रतिशत तो सिंधिया की सीट गुना में 68.93 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। सबसे कम भिंड सीट पर 50.96त्न मतदान हुआ।

मतदान केंद्रों पर सुबह के समय लंबी-लंबी कतारें नजर आई। हालांकि दोपहर में गर्मी बढ़ने के साथ ही ये संख्या कम हुई। शाम होते ही फिर से वोटर्स पोलिंग बूथों पर आने लगे। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर छिटपुट घटनाएं सामने आई। कुछ जगहों पर लोगों ने वोटिंग का बहिष्कार भी किया। तीसरे चरण की 9 सीटों मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, राजगढ़, विदिशा, सागर, बैतूल और भोपाल पर कुल 127 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जबकि एक करोड़ 77 लाख 52 हजार 583 मतदाता हैं।

शाम 5 बजे तक 62.28 प्रतिशत वोटिंग

बैतूल	- 67.97 प्रतिशत
भिंड	- 50.96 प्रतिशत
भोपाल	- 58.42 प्रतिशत
गुना	- 68.93 प्रतिशत
ग्वालियर	- 57.86 प्रतिशत
मुरैना	- 55.25 प्रतिशत
राजगढ़	- 72.99 प्रतिशत
सागर	- 61.7 प्रतिशत
विदिशा	- 69.2 प्रतिशत

भिंड के अटेर में दो पक्षों में मारपीट, कई घायल– भिंड के सुरपुरा थाना क्षेत्र के भदौरिया पुरा में दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस घटना में करीब 6 लोग घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल में लाया गया। दोनों पक्षों में फर्जी मतदान को लेकर बहस हुई। जो इतनी बढ़ी की एक दूसरे पर लाठियों से हमला कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी गई है।

बसपा प्रत्याशी को पुलिस लाइन में बैठाने पर हंगामा– मुरैना में हंगामा हो गया।

यहां शहर की पंचायती धर्मशाला में बसपा प्रत्याशी रमेश चंद्र गर्ग के समर्थकों ने पुलिस प्रशासन से कहा कि रमेश गर्ग को बाहर निकालो। उनको जबरन पुलिस लाइन में क्यों बैठा रखा है। भाजपा के लोग खुलेआम गड़बड़ी कर रहे हैं। हंगामा कर रहे इन लोगों को पुलिस ने खदेड़ दिया।

सुप्रभात

सभ्यताओं के ढंग
लड़ी गईं, जंग
जीवन के रंग
रोटियां

रोटियां होती हैं
ख़त्म न होने वाली भूख
पहली से साठ
दूसरी से तीस
तीसरे से ,
दस प्रतिशत
मिटती है भूख

चौथी रोटी
भूख नहीं बुझाती

जन्मती है स्वाद के
संवाद
भूख के अपने
अंदाज़

तब हम कुछ भी
चाटना चाहते हैं
खारा या चट-पटा
मिट्टी की गंध
यहॉं तक की
आदमी का खून

उस वक़्त
हम ठीक-ठीक
भूखे नहीं, होते
पर रहती है , भूख !

– बलराम गुमास्ता

गाजा के राफा इलाके में टैंक लेकर घुसे इजराइली सैनिक

- मिस्र से सटे बॉर्डर पर कब्जा किया,1 लाख फिलिस्तीनियों को निकाला जाएगा

गाजा (एजेंसी)। हमास के सीजफायर समझौते स्वीकार करने के बाद मंगलवार को इजराइल की सेना टैंक लेकर दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में घुस गई। उसने मिस्र से सटी गाजा की सीमा पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइल ने दावा किया है कि इस ऑपरेशन के दौरान उन्होंने 20 हमास लड़ाकों को मार गिराया। सैनिकों को इलाके में हमास की 3 सुरंगें मिली हैं। हमास के साथ जंग में राफा इजराइली सेना के ऑपरेशन का आखिरी पड़ाव है। इजराइल ने इंटेलीजेंस के हवाले से दावा किया था कि हमास सीमा का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए करता है। राफा पर हमले से पहले इजराइल ने एक लाख फिलिस्तीनियों को इलाके से निकालने की बात कही है।

बंगाल में 25000 शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने पर रोक

एससी बोला-सीबीआई जांच जारी रखे, हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल को नौकरियां रद्द की थीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इसमें शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी। सुप्रीम

कोर्ट ने ये भी कहा कि सीबीआई अपनी जांच जारी रखे, लेकिन कर्मचारी-उम्मीदवारों पर कोई ऐक्शन न ले। इससे पहले सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मामले को व्यवस्थागत धोखाधड़ी बताया। कोर्ट ने कहा कि आज नौकरियों की कमी है। अगर जनता का भरोसा चला गया तो कुछ नहीं बचेगा। कोर्ट ने फटकार लगाते हुए यह भी कहा कि राज्य सरकार के पास यह दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है कि डेटा उसके अधिकारियों ने मेनटेन किया था और इसकी उपलब्धता के बारे में पूछा गया था। बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है। पिटीशन में मांग की गई है कि हाईकोर्ट के फैसले को रद्द किया जाए। कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस साल 22 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों की 25 हजार 753 नियुक्तियों को अवैध करार दे दिया था। साथ ही इन शिक्षकों को 7-8 साल के दौरान मिली सैलरी 12 फीसदी इंटरेस्ट के साथ लौटाने के निर्देश भी दिए थे। इसके लिए कोर्ट ने 6 हफ्ते का समय दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार के वकील से पूछा कि या तो आपके पास डेटा है या नहीं है....आप दस्तावेजों को डिजिटल रूप में बनाए रखने के लिए बाध्य थे।

कश्मीर में मारा गया लश्कर का टॉप कमांडर बासित डार

- फायरिंग से घर में आग लगी, इसी में आतंकी छिपे थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकवादी को मार गिराया। अभी भी एनकाउंटर जारी है। ऑपरेशन पूरा होने के बाद मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जाएगी। एनकाउंटर में लश्कर का टॉप कमांडर बासित डार मारा गया है। उस पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

बासित कश्मीर में कई गैर स्थानीय और अन्य लोगों की हत्या में शामिल रहा है। इसके अलावा मारे जाने वाले दूसरे व्यक्ति का नाम फहीम अहमद है। वह ओवर ग्राउंड वर्कर था, जो आतंकियों की मदद करता था। हालांकि, फहीम को लेकर अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने उस घर में ब्लास्ट किया, जहां आतंकी छिपे थे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 42°c

न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 08 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

प्यारी गुड़िया अभी से 2047 की तैयारी कर रही है

एमपी में पीएम मोदी की सभा में दिखा गजब का नजारा

खरगोन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खरगोन की विशाल सभा में पोस्टर थामे छोटी सी गुड़िया को देखकर अपना भाषण रोक दिया। भाषण रोककर उन्होंने कहा कि देखिए, प्यारी गुड़िया अभी से 2047 की तैयारी कर रही है। पीएम नरेंद्र मोदी नवग्रह मेला मैदान में खरगोन लोकसभा सीट और खंडवा लोकसभा के प्रत्याशियों के समर्थन में पब्लिक को संबोधित कर रहे थे। भाषण के बीच में अचानक उन्हें एक छोटी सी लड़की दिखाई दी। उस छोटी सी लड़की को उसके परिजन अपने कंधे पर बिठाकर नरेंद्र मोदी का भाषण सुनवा रहे थे। उसके हाथ में एक पोस्टर था, जिस पर नरेंद्र मोदी की फोटो बनी हुई थी और उस पर लिखा हुआ था एक अकेला सब पर भारी। प्रधानमंत्री मोदी की नजर जैसे ही उस पर गई उन्होंने चुनावी समर के तनाव के बीच अपना भाषण रोक दिया। उन्होंने उस क्षण को एंजॉय करते हुए उस बच्ची की तरफ काफी देर तक वेव किया। उन्होंने पब्लिक से कहा कि देखिए, प्यारी गुड़िया वहां से अपना हाथ ऊपर कर रही है शाबाश! उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए फिर से कहा कि इतनी छोटी सी गुड़िया सभा में आ गयी है। लगे हाथ मोदी जी ने पॉलीटिकल माइलेज भी निकाल लिया। उन्होंने कहा कि देखिए यह 2047 का वोटर है। उन्होंने फिर से गुड़िया को देखकर हाथ हिलाना शुरू किया। गुड़िया के रिश्तेदारों ने भी उसे और ऊपर उठा दिया और सभा में चुनावी आपा धापी से इतर गजब का माहौल पैदा हो गया। पब्लिक ने गुड़िया और मोदी के इस कनेक्शन का जमकर आनंद लिया। इस नजारे के बाद पूरा माहौल मोदी के नारों से गूंजने लगा। प्रधानमंत्री मोदी ने जमकर ठहाका लगाते हुए आगे कहा यह अभी से 2047 की तैयारी कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर नहीं दिया फैसला

- रखी शर्त-सरकारी काम में दखल नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति मामले में मंगलवार को अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर फैसला सुनाए बिना सुप्रीम कोर्ट की बेंच उठ गई। सुबह साढ़े 10 बजे सुनवाई शुरू होने के बाद लंच से पहले तक कोर्ट ने जमानत की शर्तें तय कर ली थीं।

हालांकि तब ईडी ने कहा कि केजरीवाल के वकील को 3 दिन सुना गया। हमें भी पर्याप्त समय दिया जाए। अदालत ने जमानत का विरोध कर रही ईडी से कहा कि चुनाव चल रहे हैं और केजरीवाल मौजूदा मुख्यमंत्री हैं। चुनाव 5 साल में सिर्फ एक बार आते हैं। अदालत ने केजरीवाल से कहा कि हम आपको जमानत दे देते हैं तो आप ऑफिशियल ड्यूटी नहीं करेंगे।

हरियाणा की बीजेपी सरकार पर संकट के आसार

- 3 निर्दलीय विधायकों ने समर्थन वापस लिया

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के बीच बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। राज्य में जजपा से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा की सरकार बनाने वाले 3 निर्दलीय विधायकों ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। समर्थन करने वाले निर्दलीय विधायकों में पुंडरी से विधायक रणधीर गोलन, नीलोखेड़ी से धर्मपाल गोंदर और चरखी दादरी से विधायक सोमवीर सांगवान शामिल हैं। इन तीनों विधायकों ने रोहतक में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की मौजूदगी में कांग्रेस के समर्थन का ऐलान किया। बादशाहपुर से राकेश दौलताबाद के भी कांग्रेस को समर्थन की चर्चा है लेकिन वे यहां नजर नहीं आए। कैबिनेट विस्तार के दौरान नायब सैनी की कैबिनेट में रणजीत चौटाला के अलावा इनमें से किसी निर्दलीय विधायक को जगह नहीं मिली थी।

बीजेपी में शामिल हुई राधिका खेड़ा, शेखर सुमन ने भी पहना भगवा गमछा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से प्रवक्ताओं का पलायन जारी है। पार्टी से इस्तीफा देने के एक दिन बाद ही राधिका खेड़ा मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गई हैं। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। खेड़ा के साथ पार्टी की सदस्यता लेने वालों में बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता शेखर सुमन का नाम भी शामिल है। भाजपा में शामिल होने के बाद खेड़ा ने कहा, राम भक्त होने और रामलला के दर्शन की वजह से कौशल्या माता की धरती पर जिस तरह से मेरे साथ दुर्व्यवहार हुआ। अगर मुझे भारतीय जनता पार्टी, मोदी सरकार का संरक्षण नहीं होता, तो मैं यहां कभी पहुंच नहीं पाती। आज की कांग्रेस महात्मा गांधी की कांग्रेस नहीं है, यह राम विरोधी और हिंदू विरोधी कांग्रेस है।

नेपाल के नए नोट में भारतीय इलाके, बढ़ा विवाद

भारत हुआ सख्त तो नेपाली विदेश मंत्री ने तोड़ी चुप्पी, फैसला बना रहस्य

काठमांडू (एजेंसी)। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद का मुद्दा एक बार फिर से गरमा गया है। नेपाल सरकार ने अपने 100 रुपये के नए नोट में विवादित नक्शे को छापने का फैसला किया जिसमें भारतीय इलाकों कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा को नेपाल का इलाका दिखाया गया है। इस विवादित नक्शे को चीन के इशारे पर नाचने वाले केपी ओली ने नेपाली संसद से पारित कराया था। नेपाल सरकार के इस ताजा फैसले पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सख्त रुख अपनाया है। भारतीय चाणक्य के बयान के बाद नेपाल के विदेश मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ ने कहा है कि नेपाल सीमा विवाद को राजनयिक माध्यम से सुलझाने के पक्ष में है और भारत के साथ बैठकर बातचीत करना चाहता है। कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा भारत के इलाके हैं और नेपाल इस पर अपना दावा करता है। नारायण काजी श्रेष्ठ ने संसदीय कमिटी के सामने सोमवार को नेपाल सरकार के विवादित नक्शे के साथ 100 रुपये के नए नोट छापने के फैसले पर कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा, 'हम भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाना चाहते हैं। हम इसे राजनयिक तरीके से सुलझाना चाहते हैं और बैठकर बातचीत करना चाहते हैं। हम इसके लिए कदम उठा रहे हैं।' भारत ने नेपाल के नए नक्शे का शुरू से ही कड़ा विरोध किया है। ताजा घटनाक्रम पर भारतीय विदेश मंत्री ने शनिवार को कहा था कि नेपाल के ताजा कदम से हालात या जमीनी वास्तविकता नहीं बदलने जा रही है। जयशंकर ने कहा, 'हमारी स्थिति साफ है। नेपाल के साथ हमारी सीमा विवाद को लेकर बातचीत चल रही है। इन सबके बीच नेपाल ने एकतरफा तरीके से अपनी तरफ कुछ कदम उठाए हैं।' नेपाल ने ओली के प्रधानमंत्री रहने के दौरान साल 2020 में यह विवादित नक्शा जारी किया था। इसमें भारतीय इलाकों को अपना दिखाया गया था जिसे भारत ने उसी समय खारिज कर दिया था। भारत ने कहा था कि यह एकतरफा कदम ऐतिहासिक तथ्यों या सबूतों पर आधारित नहीं है। भारत इसे स्वीकार नहीं करता है। वहीं नेपाल के वित्त और विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि उन्हें इसका अंदाजा ही नहीं है कि कौन विवादित नक्शे के साथ 100 रुपये के नए नोट जारी करने का आइडिया कैबिनेट में लेकर आया है। नेपाली विदेश और वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा, 'इस फैसले से पहले पर्याप्त चर्चा और विचार विमर्श नहीं हुआ है। भारत को केवल यही परेशान कर रहा है जबकि हम केवल 100 रुपये के पुराने नोट की जगह पर नया नोट ला रहे हैं। इसका समय महत्वपूर्ण है, यह कदम तब उठाया गया है जब भारत में चुनाव हो रहे हैं और हम कह रहे हैं कि इसे बातचीत के जरिए सुलझाएंगे।' वहीं नेपाली विदेश मंत्री ने आंखें दिखाते हुए कहा है कि नेपाल को कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा पर संप्रभु अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें संप्रभु अधिकारों और क्षेत्रीय अखंडता का लाभ उठाना चाहिए। यह सभी जानते हैं कि भारत और नेपाल के बीच कालापानी के इलाके को लेकर सीमा विवाद है।'

झारखंड में अब ठेकेदार के घर ईडी की रेड

डेढ़ करोड़ मिले

रांची (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ताबड़तोड़ छापेमारी चल रही है। आज डोरंडा इलाके में रहने वाले कॉन्ट्रैक्टर राजीव कुमार सिंह के ठिकाने पर भी रेड पड़ी है। छापेमारी में ईडी ने ठेकेदार राजीव कुमार सिंह से डेढ़ करोड़ रुपए बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि कैश हेराफेरी में उसके जरिए 10 करोड़ से ज्यादा की रकम उड़ाई गई थी। यह छापेमारी सुबह पांच बजे से ही चल रही है। इस छापेमारी के दायरे में बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर आए हैं। वीरेंद्र राम मामले में ईडी ने 6 मई को रांची में कई ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी। ईडी ने कुछ योजनाओं के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फरवरी 2023 में झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता को गिरफ्तार किया था।

राहुल गांधी बोले गरीब परिवार को अब हम एक लाख रुपए देंगे

- परिवार में महिलाओं के अकाउंट में डाले जायेंगे पैसे, आदिवासी दलितों को बनायेंगे लखपति

चाईबासा (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी झारखंड के दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने चाईबासा में जनसभा को संबोधित किया। अपने इस संबोधन में राहुल गांधी ने गरीब परिवारों को लखपति बनाने का वादा किया। नौकरी का वादा किया। राहुल गांधी ने कहा कि हम परमानेंट नौकरी देंगे ठेकेदारी प्रथा वाली नौकरी खत्म करेंगे। राहुल गांधी ने आरक्षण बढ़ाने का भी वादा किया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन की शुरुआत में जोहार शब्द का इस्तेमाल किया। नरेंद्र मोदी ने 22 अरबपति बनाये। अब कांग्रेस लखपति बनायेगी। सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सबसे पहले गरीब परिवारों की लिस्ट बनेगी। करोड़ों परिवार है जो गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। इसमें आदिवासी, दलित, पिछड़े ज्यादा है। हर गरीब परिवार में से एक महिला का नाम चुनेंगे। उस महिला के बैंक अकाउंट में एक लाख रुपए साल के डाल देंगे। उन्होंने बताया कि मैंने जोहार इसलिए बोला क्योंकि यह आदिवासियों का शब्द है। इसमें आपकी आवाज अच्छी सुनाई देती है। यह चुनाव आदिवासी, दलित, पिछड़ों के लिए जरूरी चुनाव है। राहुल गांधी ने कहा कि हमने महिलाओं के बैंक अकाउंट को इसलिए चुना है क्योंकि महिलाएं 18 से 20 घंटे काम करते हैं।

प्रोटोकॉल और एसओपी बनाने पर गृह मंत्रालय का जोर

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी को लेकर बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के कुछ स्कूलों को पिछले हफ्ते धमकी भरे फर्जी ईमेल भेजे गए थे। इस मामले में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सोमवार को स्थिति की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने स्कूलों में सुरक्षा बढ़ाने, सीसीटीवी कैमरे और ईमेल की नियमित निगरानी की जरूरत पर जोर दिया। भल्ला ने दिल्ली पुलिस और स्कूलों से प्रभावी प्रतिक्रिया तंत्र के लिए करीबी समन्वय रखने को भी कहा, ताकि झूठी सूचना से कोई अनावश्यक दहशत न फैले। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'गृह सचिव ने पिछले सप्ताह दिल्ली के कुछ स्कूलों को मिले फर्जी ईमेल के मद्देनजर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने भविष्य में ऐसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विस्तृत प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने की जरूरत पर बल दिया। गृह सचिव ने स्कूलों में सुरक्षा बढ़ाने, सीसीटीवी कैमरे और ईमेल की नियमित निगरानी की जरूरत पर भी जोर दिया।' बैठक में दिल्ली के मुख्य सचिव और दिल्ली के पुलिस आयुक्त शामिल हुए। दिल्ली-एनसीआर के 200 से अधिक स्कूलों को 1 मई जैसे धमकी भरे ई-मेल मिले जिनमें दावा किया गया था कि उनके परिसर में विस्फोटक लगाए गए थे। इसके बाद बड़े पैमाने पर निकासी और तलाशी अभियान चलाया गया और घबराए हुए माता-पिता अपने बच्चों को लेने के लिए स्कूल पहुंचने लगे। हालांकि, तलाशी के दौरान कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। गुजरात के अहमदाबाद में सोमवार को 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला ईमेल मिला है, लेकिन पुलिस ने सभी विद्यालयों की तलाशी के बाद इसे फर्जी करार दिया।

उज्जैन में महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने कीटनाशक पिया

निरंजनी अखाड़े ने बाहर निकाला, महंत से उपाधि के लिए 7.50 लाख रुपए ऐंठने का आरोप

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने कीटनाशक पीकर सुसाइड की कोशिश की। उन्हें गंभीर हालत में उज्जैन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना मंगलवार सुबह 11 बजे की है। उनके खिलाफ सोमवार रात को धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया था। उन पर महामंडलेश्वर बनवाने के एवज में 7.50 लाख रुपए लेने का आरोप है। जिसके बाद उन्हें अखाड़े से निष्कासित भी कर दिया गया।

दरअसल, निरंजनी अखाड़े के महंत सुरेश्वरानंद पुरी महाराज ने चिमनगंज थाने में शिकायत की। इसमें बताया, 'महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी ने श्रीपंचायती निरंजनी अखाड़े में उन्हें महामंडलेश्वर की उपाधि दिलवाने का लालच दिया था। इसके ऐवज में 15 अप्रैल 2024 को मंदाकिनी को साढ़े सात लाख भी दिए थे। अखाड़े के मुख्यालय में संपर्क किया, तो बताया गया कि रुपए लेकर उपाधि नहीं दी जाती। इसके बाद सुरेश्वरानंद ने रुपए वापस मांगे। महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने रुपए देने से इनकार कर दिया।' इसके बाद पुलिस ने सोमवार देर रात महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी समेत दो लोगों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। उज्जैन में निरंजनी अखाड़े के महंत सुरेश्वरानंद पुरी महाराज ने महामंडलेश्वर मंदाकिनी पर साढ़े सात लाख रुपए ठगने का आरोप लगाया है।

कीटनाशक पीने से पहले मंदाकिनी ने कहा- आरोप बेबुनियाद- कीटनाशक पीने से कुछ देर पहले मीडिया से मंदाकिनी ने बात की। उन्होंने आरोपों को बेबुनियाद और झूठा बताया। उन्होंने कहा, 'मेरे खिलाफ उज्जैन में कुछ लोग मिलकर साजिश रच रहे हैं।'

मंदाकिनी पुरी ने कहा, 'सुरेश्वरानंद ने मुझे 14 से 19 अप्रैल के बीच हुए कन्यादान और यज्ञ में दान के रूप में 7.50 लाख रुपए दिए थे। बाद में उपाधि दिलाने के लिए दबाव बनाने लगा। मेरे ऊपर झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने की साजिश की जा रही है। यह राशि यज्ञ और 51 बेटियों के कन्यादान में खर्च की गई।

यज्ञ के 8 दिन बाद ही सुरेश्वरानंद महामंडलेश्वर की उपाधि दिलवाने के नाम पर दबाव बनाने लगा। मैंने उसे स्पष्ट कर दिया कि इस तरह उपाधि नहीं मिलती। इसके बाद वह ब्लैकमेल कर धमकाने लगा। कुछ दिन पहले भी उसने गोली मारने की धमकी दी। बोला कि तुम्हें बर्बाद कर दूंगा।'

थोड़ी देर बाद पी लिया कीटनाशक- इसके कुछ देर बाद मंदाकिनी अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज से मिलने गईं, लेकिन पूजा में होने के कारण नहीं वे मिले। इसके बाद मंदाकिनी ने अपने आश्रम में जाकर कीटनाशक पी लिया। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया। यहां वे आईसीयू में भर्ती हैं। घटना के बाद रविंद्र पुरी ने मंदाकिनी को अखाड़े से निकाल दिया है। इधर, पुलिस का कहना है कि हालत गंभीर होने के कारण मंदाकिनी के बयान नहीं हो पाए हैं। बयान होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सैन्य ताकत

भारत ने चीन की नाक के नीचे तैनात कर दिया है नौसेना का पूर्वी बेड़ा

- सिंगापुर पहुंचने से खुलासा, ड्रैगन को कड़ा संदेश, अब कसेगी नकेल

सिंगापुर (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने चीन पर नकेल कसने के लिए दक्षिण चीन सागर में पूर्वी बेड़े को तैनात किया हुआ है। इसका खुलासा हाल में ही भारतीय नौसेना के तीन युद्धपोतों के सिंगापुर पहुंचने पर हुआ है। पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल राजेश धनखड़ के नेतृत्व में भारतीय नौसेना के तीन युद्धपोत गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर आईएनएस दिल्ली, दीपक क्लास फ्लीट टैंकर आईएनएस शक्ति और एंटी सबमरीन वॉरफेयर कॉर्वेट आईएनएस किल्टन 6 मई को सिंगापुर पहुंचे। सिंगापुर की नौसेना और भारत के उच्चायुक्त ने नौसेना के तीनों युद्धपोतों का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय नौसेना ने बताया कि यह यात्रा दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन तैनाती का हिस्सा है। यह यात्रा कई कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से दोनों समुद्री देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और सहयोग को और मजबूत करने के लिए तैयार किया गया है। बंदरगाह में जहाजों के प्रवास के दौरान, विभिन्न गतिविधियों को शुरू करने की योजना बनाई गई है, जिसमें भारतीय उच्चायोग के साथ बातचीत, सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के साथ पेशेवर बातचीत के साथ-साथ आउटरीच सहित अन्य गतिविधियां शामिल हैं।

चिलचिलाती गर्मी से जल्द मिलेगी राहत

तेज हवाओं के साथ बन रहे बारिश के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गर्मी की मार के बीच बड़ी खुशखबरी दी है। इसके मुताबिक, चिलचिलाती धूप और लू के प्रकोप से जल्द ही राहत मिलने वाली है। खासतौर से देश के पूर्वोत्तर इलाके में मंगलवार से भीषण गर्मी का प्रकोप काफी हद तक कम हो सकता है। अगर दक्षिणी राज्यों की बात करें तो वहां भी अगले कुछ घंटों के बाद मौसम सुहाना हो सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि 10 मई तक इन क्षेत्रों में गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं। साथ ही, इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं। ऐसे में बढ़ते तापमान पर कुछ हद तक रोक लग सकती है और लोगों को झुलसती गर्मी से राहत मिलने वाली है। बीते महीने से ही पूरब से लेकर दक्षिण तक तापमान लगातार बढ़ता गया है और 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया। 30 अप्रैल को तो कोलकाता का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था जो कि अपने आप में रिकॉर्ड रहा। पूर्व और दक्षिण के इलाकों को गर्मी की मार से राहत तो जरूर मिलती दिख रही है, मगर लू की मार परेशान कर सकती है। अगले पांच दिनों के दौरान ताजा लू चलने की संभावना है।

इंदौर में नामवापसी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

विशेष अनुमति याचिका दायर की, जल्द होगी सुनवाई

इंदौर (नप्र)। इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम की नामवापसी के खिलाफ पार्टी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। सब्स्टीट्यूट कैंडिडेट मोती सिंह पटेल की ओर से सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर कर दी गई है। सुनवाई जल्द होने की बात कही जा रही है। कांग्रेस नेता मोती सिंह पटेल के वकील विभोर खंडेलवाल ने बताया इंदौर में चौथे चरण में लोकसभा चुनाव है। यहां 13 मई को वोटिंग है, इससे पहले मामले की सुनवाई कर ली जाए। हमने पहले इंदौर हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। वहां से हमें चुनाव याचिका दायर करने की सलाह दी गई थी। क्योंकि चुनाव याचिका इलेक्शन संपन्न होने के बाद ही दायर हो सकती है, हमारे लिए यह अभी संभव नहीं है।

कांग्रेस के बी फॉर्म में मोतीसिंह सब्स्टीट्यूट कैंडिडेट

खंडेलवाल ने कहा कि हम तो मौजूदा चुनाव में ही अपनी हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं क्योंकि कांग्रेस ने बी फॉर्म में मुख्य प्रत्याशी अक्षय के साथ सब्स्टीट्यूट के रूप में मोतीसिंह पटेल का नाम था। बावजूद, उनका फॉर्म बी के साथ निर्दलीय की तरह 10 प्रस्तावक नहीं होने के आधार पर रद्द किया गया है। हमारा कहना है कि जब मुख्य प्रत्याशी ही मैदान छोड़ गया तो हमारा चुनाव लड़ने का अधिकार ही उसके बाद शुरू होता है, जो हमें दिया जाए।

स्क्रूटनी में मोतीसिंह का नामांकन हो गया था खारिज

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से जारी फॉर्म-बी में अक्षय कांति बम के साथ सब्स्टीट्यूट कैंडिडेट के रूप में पटेल का नाम दिया था। स्क्रूटनी में पटेल का नामांकन खारिज कर दिया गया था। इसके बाद मुख्य प्रत्याशी अक्षय ने भी 29 अप्रैल को नाम वापस ले लिया। इसके चलते कांग्रेस मैदान से पूरी तरह बाहर हो गई थी। अब कांग्रेस चाहती है कि यदि अक्षय ने नाम वापसी की है तो हमारे सब्स्टीट्यूट कैंडिडेट मोती सिंह पटेल को नामांकन स्वीकार करते हुए उन्हें चुनाव लड़ने का मौका दिया जाए।

हाईकोर्ट की डबल बैंच से खारिज हो चुकी है अपील

इससे, पहले इंदौर हाईकोर्ट की डबल बैंच ने कांग्रेस के वैकल्पिक प्रत्याशी मोती सिंह पटेल (सब्स्टीट्यूट कैंडिडेट) की अपील तीन दिन पहले 4 मई को खारिज कर दी थी। इसके पूर्व हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने भी 30 अप्रैल को पटेल की याचिका खारिज की थी। इसी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है।

अक्षय के फॉर्म बी को ही बनाया आधार

मोती सिंह ने मांग की है कि कांग्रेस का चुनाव चिह्न उन्हें आवंटित किया जाएगा। अक्षय बम के नामांकन वापस लेने के बाद वे ही अधिकृत प्रत्याशी हैं। फॉर्म बी में कांग्रेस की ओर से बताया गया है कि यदि अप्रूव कैंडिडेट नामांकन वापस ले लेता है या उसका फॉर्म रिजेक्ट हो जाता है तो वैकल्पिक नाम को प्रत्याशी माना जाएगा। याचिका में इसी को आधार माना गया है।

चलती बाइक पर साइलेंट अटैक, 10 मिनट में मौत

इंदौर में घर से निकलते ही गिरा युवक, अस्पताल ले जाने से पहले दम तोड़ा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में साइलेंट अटैक से 35 साल के युवक की मौत हो गई। वह बाइक से जा रहे थे, अचानक सड़क पर गिर पड़े। इसके 10 मिनट बाद ही उसकी मौत हो गई। लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने पोस्टमॉर्ट्म कराने से इनकार कर दिया है। घटना सोमवार देर शाम बाणगंगा इलाके की है। पुलिस के मुताबिक गोविंद नगर का रहने वाले तीरथराम सोनवने (35) घर से बाइक पर निकला था। कुछ ही दूर जाकर चलती बाइक से ही गिर गया। आसपास के लोगों ने उसे बेसुध हालत में उठाया। उसे पास के

अस्पताल ले जाया गया। यहां से उसे एमवाय रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि रास्ते में ही उसकी मौत हो चुकी थी।

पत्नी अलग रहती थी, दोनों बच्चे युवक के साथ

तीरथराम कंस्ट्रक्शन से जुड़ी ठेकेदारी करता था। उसके दो बच्चे हैं। पत्नी से करीब तीन साल पहले तलाक हो गया है। दोनों बच्चे तीरथराम के साथ रहते हैं। इनके अलावा भाई और माता-पिता साथ रहते हैं।

क्या होता है साइलेंट हार्ट अटैक

साइलेंट हार्ट अटैक को साइलेंट मायोकार्डियल इन्फ्रेक्शन (एसएमआई) कहा जाता है। इसमें हार्ट अटैक आने पर सीने में दर्द महसूस नहीं होता। हालांकि, कुछ दूसरे सिंप्टम्स महसूस होते हैं।कई बार ब्रेन तक दर्द का अहसास पहुंचाने वाली नसों या स्पाइनल कॉर्ड में प्रॉब्लम के कारण या फिर साइकोलॉजिकल कारणों से व्यक्ति दर्द की पहचान नहीं कर पाता। इसके अलावा ज्यादा उम्र वाले या डायबिटीज के पेशेंट्स में ऑटोनॉमिक न्यूरोपैथी के कारण भी दर्द का अहसास नहीं होता है।

नर्स के घर चाकू लेकर पहुंचा सिरफिरा

एक तरफा प्यार में कहा शादी नहीं की तो सुसाइड कर लूंगा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा में सिरफिरा आशिक एक तरफा प्यार में नर्स के घर चाकू लेकर पहुंच गया। यहां नर्स को धमकी दी कि यदि शादी नहीं की तो वह अपनी जान दे देगा। नर्स के भाई ने उसे समझाने की कोशिश की तो आरोपी मारपीट पर उतारु हो गया। परेशान होकर नर्स ने मामले में पुलिस में शिकायत कर दी।बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 26 साल की नर्स की शिकायत पर अजय बाथम निवासी देपालपुर पर चाकू लेकर घर में घुसने और धमकाने के मामले में केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि वह निजी अस्पताल में नर्स है।करीब 9 साल पहले अजय से कॉलेज में पढ़ाई के दौरान पहचान हुई थी। दोनों एक दूसरे को पंसद करने लगे। लेकिन अजय ने अचानक बात करना बंद कर दी। कुछ समय पहले अजय फिर से आया और बात करने लगा। कहा कि हम शादी करेंगे। लेकिन अजय से कह दिया कि अब वह शादी नहीं कर पाएगी।इसके बाद दो दिनों से अजय घर आ रहा है और मुझे व परिवार के लोगों को धमका रहा है कि अगर शादी नहीं की तुम्हारे घर में सुसाइड कर लूंगा या रेलवे फाटक पर जाकर जान दे दूंगा। सोमवार को अजय चाकू लेकर घर में घुस गया।कहने लगा कि शादी के लिये हां करो नहीं तो यहीं जान दे दूंगा। इस पर पापा ने कहा कि परिवार को लेकर आना तब बात करेंगे। भाई उसे समझाने पहुंचे तो विवाद और झूमाझटकी की। बाद में पुलिस को जानकारी देकर बुलाया गया।

नाबालिग स्टूडेंट के सामने किया सुसाइड का प्रयास

बाणगंगा में ही एक नाबालिग स्टूडेंट के सामने एक आरोपी ने सुसाइड का प्रयास किया। आरोपी बात करने को लेकर स्टूडेंट से नाराज था। पुलिस के मुताबिक 17 साल की छात्रा ने बताया कि वह 12वीं की पढ़ाई कर रही है। ढाई साल पहले उसकी शरद से बात हुई थी। आरोपी नशा करने का आदी है। इसलिये बात बंद कर दी। तीन दिन पहले आरोपी घर में आया और कहा कि अगर बात नहीं करोगी तो यहीं जान दे दूंगा।

इंदौर में 40 डिग्री पार पारा

हवा की रफ्तार 26 किमी, लू से बचने के लिए एडवाइजरी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मई के पहले हफ्ते में गर्मी के तेवर काफी तीखे हैं। शुरुआती 6 दिनों में तीन दिन ऐसे रहे जब दिन का तापमान 39 डिग्री से ज्यादा रहा। रात के तापमान ने भी एक बार चौंकाया है। 4 मई को रात का तापमान 27 डिग्री सेल्सियस था। सोमवार को भी दिन में 26 किमी प्रति घंटे की तेज रफ्तार से गर्म हवा चली। इससे लोग परेशान हो गए। गर्मी के तेवर को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की है। रविवार को दिन का तापमान 38.4 (-2) डिग्री और रात का तापमान 25.6 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। सोमवार को दिन के तापमान में 1 डिग्री का इजाफा हुआ। इस दौरान तापमान 39.3 (-1) डिग्री सेल्सियस रहा। रात के तापमान में एक डिग्री लुढ़ककर 24.5 (+1) डिग्री सेल्सियस पर आ गया। मंगलवार सुबह से मौसम पूरी तरह साफ है। इसके साथ ही गर्मी भी खासी बनी हुई थी, पारा 40 के पार जा सकता है।मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धावले के मुताबिक अभी ईरान के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस

एक्टिव है। इसके साथ ही दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन भी है। इन सभी के चलते प्रदेश के कुछ हिस्सों में बादल भी छा रहे हैं। पश्चिमी मध्य प्रदेश में तेज गर्मी रहेगी। पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज हवा भी चल सकती है। 8-9 मई को भी गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। हीट वेव भी चलेगी। इंदौर में अभी गर्मी रहेगी। इस दौरान तापमान में 1 डिग्री का इजाफा हो सकता है। 9 मई को इंदौर संभाग में गरज-चमक की स्थिति रहेगी।

लू से बचाव के लिए एडवाइजरी

उधर, स्वास्थ्य विभाग द्वारा लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। साथ ही जिला अस्पताल से लेकर उप स्वास्थ्य केंद्रों तक लू की स्थिति में अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कॉर्नर बनाए गए हैं। उल्टी, दस्त, बुखार के प्रबंधन और उपचार के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं स्वास्थ्य केंद्रों में सुनिश्चित की गई हैं।

घातक हो सकती है लू

लू के साथ बुखार तेज होने पर किडनी काम करना बंद कर सकती है। अगर तुरंत उपचार न किया जाए तो व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। इन लक्षणों की जल्द पहचान करके इलाज किया जा सकता है। तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का न आना, सिर में भारीपन, ज्यादा प्यास लगना, यूरिन कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना आदि लू लगने के लक्षण हैं। इन लक्षणों की पहचान जल्द से जल्द किया जाना जरूरी है ताकि उपचार शुरू किया जा सके।

दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गई बच्ची डूबी

घर पर केरी तोड़ने का बोलकर निकली थी, नाना के साथ रहती थी

इंदौर(नप्र)। इंदौर के पास खुड़ैल में एक नाबालिग बच्ची की तालाब में डूबने से मौत हो गई। वह अपनी सहेली और दोस्त के साथ घर पर केरी खाने का कहकर निकली थी। बच्चे भागते हुए घर पहुंचे और उसके तालाब में डूबने की जानकारी दी। इसके बाद परिवार के लोग वहां पहुंचे ओर बच्ची का शव बाहर निकाला।पुलिस के मुताबिक घटना हरन्याकुंड के पास तालाब की है। यहां शिवानी (15) पुत्री जीवन निवासी खड़ी कांकड़ पूजा और राज के साथ तालाब में नहाने गई थी। लेकिन उसे तालाब में गहराई का ध्यान नहीं रहा और वह डूब गई। दोनों सहेलियों ने उसे निकालने का प्रयास किया। लेकिन गहराई के डर से वह आगे नहीं बढ़ पाए।

बाद में राज और पूजा दौड़ते हुए करीब एक किलोमीटर दूर गांव पहुंचे। यहां शिवानी के नाना के परिवार को घटना बताई। परिवार के लोग तालाब पहुंचे और करीब आधे घंटे तक बच्ची के शव को ढूंढकर बाहर निकाला। परिवार के लोगों के मुताबिक बच्चे कभी तालाब पर नहीं जाते थे। शिवानी तो घर पर केरी तोड़ने का कहकर गई थी।

माता पिता की हो चुकी है मौत- शिवानी के माता-पिता बागली के पास गांव के रहने वाले हैं। पांच साल पहले दोनों की सांप काटने से मौत हो चुकी है।

पीएम मोदी ट्रांजिट विजिट पर इंदौर आए, एअरपोर्ट पर पहुंचे भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

इंदौर (नप्र)। पीएम नरेंद्र मोदी के धार और खरगोन में सभा से पहले इंदौर आए। यहां इंदौर के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से ही मोदी खरगोन के लिए रवाना हो गए। खरगोन के बाद धार में जनसभा को संबोधित करने के बाद वे इंदौर आकर दिल्ली रवाना हुए थे। इसे लेकर पुलिस और एसपीजी ने सोमवार को रिहर्सल की थी। लोकसभा चुनाव के लिए धार और खरगोन में आमसभा लेने आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से

भाजपा संगठन इस बार इंदौर विमानतल पर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को मिलवाया।नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने बताया पिछले विधानसभा चुनाव में जिन विधानसभा में जिस बूथ पर सबसे ज्यादा वोटों से पार्टी की जीत हुई, उन बूथ के अध्यक्ष और महामंत्री को प्रधानमंत्री से मिलवाया है। खरगोन में जनसभा के दौरान पीएम मोदी मंत्री मंच पर कैलाश विजयवर्गीय से मंत्रणा करते नजर आए। इंदौर एयरपोर्ट पर पीएम मोदी से यह नेता और कार्यकर्ता मिले- भेरूसिंह चंद्रावत,सुशील कुमार,पुरुषोत्तम पटेल,महेश पटेल,रवि सुमन,अमित पाटीदार,सुधीर दुबे,सचिन पटीदार,अन्नपूर्णा,वंदना सिंह,विनीता मौर्य,मुकेश ज़रिया,मनोज पाल,लक्ष्मीनारायण पानेरिया,आकाश सोनवानिया।

इंदौर का चोर 'मक्खी' गुजरात और राजस्थान की पुलिस को छका रहा

प्रॉपर्टी ब्रोकर के घर से मिनटों में 20 लाख के जेवर चुराकर भागा है

इंदौर (नप्र)। जूनी इंदौर के फ्लैट से लाखों का सोना और कैश चुराने वाला फैजल उर्फ मक्खी पुलिस को राजस्थान और गुजरात में छका रहा है। वह चंद मिनटों में 20 लाख रुपए का सोना चुराकर भाग निकला था।इसके पहले उसने फ्लैट की रेकी की थी। वारदात के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से मक्खी की पहचान की और तत्काल उसके घर खजराना पहुंच गई। लेकिन वह चोरी करते ही राजस्थान और वहां से गुजरात भाग निकला। मक्खी आदतन अपराधी है और वह अकेले ही चोरियां करता है।कुछ दिन पहले शादी के चलते परिवार ने जमानत कराई थी, लेकिन जेल से छूटते ही चोरी करके भाग गया।

पुलिस उसे फिलहाल जूनी इंदौर के वृंदावन धाम अपार्टमेंट त्रिवेणी कॉलोनी में रहने वाले लतीश आर्य के यहां चोरी के सिलसिले में तलाश रही है।लतीश ब्रोकरशिप के साथ प्रोटीन पाउडर बेचने का काम करते हैं। वारदात के समय वह फ्लैट पर ताला लगाकर पत्नी रंजना को लेकर मदरहुड अस्पताल में रिश्तेदार को देखने गए हुए थे।रात 11:45 बजे वह वापस आए तो दरवाजे का ताला टूटा मिला।इस सनसनीखेज चोरी के मामले में जूनी इंदौर थाने के जवान मौके पर पहुंचे। आसपास की बिल्डिंग के फुटेज निकाले तो खजराना का फैजल उर्फ मक्खी फुटेज में दिखा।पुलिस फुटेज तलाशते हुए उसके घर तक पहुंच गई। जहां घरवालों ने कुछ समय पहले ही उसके घर से जाने की जानकारी दी।फैजल मक्खी की जानकारी पुलिस ने निकाली तो पता चला कि वह कोटा की तरफ भागा है।यहां तक पुलिस पहुंची तो वह जयपुर निकल गया। पुलिस आगे बढ़ी तो उसने गुजरात की तरफ मूवमेंट कर लिया और इसके बाद जूनी इंदौर पुलिस की टीम वापस आ गई।अब पुलिस आरोपी के इंदौर आने का इंतजार कर रही है।

पत्नी और प्रेमिका के साथ 7-7 दिन रहने की बात...

इंदौर (नप्र)। इंदौर में करीब 3 साल पहले एक प्रेमिका ने अपने शादीशुदा प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म, गर्भपात और धमकाने के मामले में केस दर्ज कराया था। इस मामले में कोर्ट ने आरोपी प्रेमी को बरी कर दिया है। इसका आधार एक एग्रीमेंट है। जो एफआईआर से पहले हुआ था।एग्रीमेंट से पता चला कि युवती ये बात जानती है कि उसका प्रेमी शादीशुदा है, एक संतान का पिता है। वह खुद के गर्भपात कराए जाने के बावजूद उसी के साथ आगे रहने को तैयार थी। बाद में उसका रुख बदला और उसने एफआईआर करा दी।जबकि प्रेमी ने पहले ही उसे लिखकर दिया था कि वह 7 दिन पत्नी और 7 दिन उसके साथ रहेगा। लिखा पढ़ी के एक महीने के बाद एफआईआर कराई गई थी। इसी आधार पर आरोपी को दुष्कर्म, गर्भपात और धमकाने के केस से दोषमुक्त कर दिया है। ये फैसला 25 अप्रैल को आया। जिसके ऑर्डर की कॉपी सोमवार को सामने आई।

एक साल लिव इन रिलेशनशिप के बाद विवाद.. फिर एफआईआर

कोर्ट के फैसले के मुताबिक, 29 साल की प्रेमिका ने 27 जुलाई 2021 को भंवरकुआं थाने पर आरोपी प्रेमी चंद्रभान पंवार (34) के खिलाफ आवेदन दिया था। उसने दुष्कर्म, गर्भपात और धमकाने के आरोप लगाए थे। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया।युवती ने पुलिस को बताया कि आरोपी प्रेमी चंद्रभान को 2019 से जानती है। कजिन भाई के जरिए उसके संपर्क में आई थी। बाद में बातचीत और अफेयर हो गया। यह बात 2020 की होगी।

इंदौर में एक एग्रीमेंट, जिसने शादीशुदा प्रेमी को रेप के आरोप से कराया बरी

तब यह पता नहीं था कि वह पहले से शादीशुदा है, न प्रेमी ने कभी जिक्र किया या एहसास होने दिया।25 अप्रैल 2021 को आरोपी ने उसे एक हॉस्टल में बुलाया। यहां रिलेशन बनाए। इसके बाद वह गर्भवती हो गई। जब शादी के लिए कहा तो आश्वासन मिला। विटामिन की गोली बताकर गर्भपात की खिला दी। इस बात पर झगड़ा भी हुआ। आखिरकार उसने कबूला कि वह शादीशुदा है, एक बच्चा भी है, इसलिए शादी तो नहीं कर सकता। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और चालान पेश कर दिया।

एक एग्रीमेंट, जिसने आरोपों की पूरी कहानी कोर्ट में पलट दी

कोर्ट में सुनवाई के दौरान पता चला कि एफआईआर कराने से पहले ही प्रेमी-प्रेमिका के बीच 15 जून 2021 को एक एग्रीमेंट हुआ था। इसे भी कोर्ट में पेश किया गया था। इसमें आरोपी ने कहा था कि वह शादीशुदा है और युवती को जानता है। 2 साल से रिलेशन में है।कोर्ट ने माना कि अनुबंध से ये साफ होता है कि आरोपी और पीड़िता लिव इन रिलेशन में थे। पीड़िता को प्रेमी के शादीशुदा होने का पता चल चुका था, बावजूद वह एग्रीमेंट के जरिए उसके साथ रहने को तैयार होती है। इसमें यह शर्त तय होती है कि आरोपी प्रेमी पीड़िता के साथ और पत्नी के साथ 7-7 दिन रहेगा। इस जानकारी के बाद वह रिलेशन को आगे भी बढ़ाती है।कोर्ट में यह भी माना गया कि गर्भपात के बाद भी और शादीशुदा की जानकारी के बावजूद वह ऐसा करती है। आरोपी को उसकी पत्नी के साथ रहने के लिए सहमत थी, साथ ही आपस में सहमति से संबंध बने। ऐसी स्थिति में बलात्कार और गर्भपात के लिए आरोपी को दोषी नहीं माना जा सकता। जान से मारने की धमकी के संबंध में कोई सबूत नहीं दिखते हैं। ऐसे में आरोपी चंद्रभान को कोर्ट ने आरोपों से दोषमुक्त कर दिया।

डॉक्टर कह चुके थे- 7 महीने बाद मेडिकल में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं कर सकते

डॉक्टर ने कोर्ट में बयान दर्ज कराया कि घटना अप्रैल 2020 से दिसंबर 2020 के बीच की है। नवंबर 2020 में इसी दौरान गर्भपात हुआ। बावजूद, पीड़िता न डॉक्टर के पास गई, न अस्पताल..। जनवरी 2021 के बाद उनके बीच रिलेशन नहीं बने, न ही पुराने गर्भपात के दस्तावेज दिखाए गए। जुलाई 2021 में जब रिपोर्ट कराई तब मेडिकल हुआ है। आखिरी बार संबंध बनने के 7 महीने बाद अगर कोई ये दावा करे कि उससे दुष्कर्म हुआ है तो मेडिकल में इसकी पुष्टि मुश्किल है।

इंदौर के खिलाड़ियों ने तीरंदाजी में दिलाए 12 स्वर्ण पदक

दौड़ में एक सोना भी, सालों की कड़ी मेहनत से मिली सफलता

इंदौर (नप्र)। 6वें यूथ गेम्स काउंसिल ऑफ इंडिया एवं यूथ गेम्स डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत हाल ही में नेपाल में हुए इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप में इंदौर के बच्चों ने एक बार फिर देश एवं शहर का नाम रोशन किया है। इंदौर की राज आर्चरी एकेडमी के 4 तीरंदाजों ने अलग-अलग वर्ग में खेलते हुए देश को कुल 12 स्वर्ण पदक एवं दौड़ में 1 स्वर्ण पदक दिलाए हैं और शहर और देश का नाम रोशन किया है।

नेपाल में खेली गई इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में खेली गई तीन प्रतियोगिताओं में राज आर्चरी एकेडमी के 4 तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। चिरंजीव डामोर ने अंडर 9 कंपाउंड में खेलते हुए 160 अंकों में से 159 अंक पाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। चिरंजीव पहले भी इसी साल जनवरी में ह्यू इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। इस तरह उन्होंने पिछले 3 महीने में 6 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। अंडर 14 रिकर्व राउंड में शिवेंद्र डामोर ने भी 3 इवेंट खेलते हुए 3 गोल्ड मेडल पे निशाना साधा।

खनन विभाग में टीआई के रूप में कार्यरत चिरंजीव और शिवेंद्र के पिता श्री चैन सिंह डामोर ने अपने व्यस्त समय से निकाल कर अपने बच्चों पर ध्यान दिया और उनका हौसला बढ़ाया।

प्रतिस्पर्धा में अंडर 14 कंपाउंड में खेलते हुए श्रेष्ठ यादव ने भी बेहतर प्रदर्शन किया और 3 इवेंट्स में 160 में 159 प्वाइंट लेकर 3 स्वर्ण पदक हासिल किया। बच्चे के पिता चंद्रेश यादव ने ऑटो पार्ट्स की दुकान पर सेवा देते हुए भी अपने बच्चे का साथ दिया, हर दिन समय निकाल कर अपने बेटे के लिए खेल मैदान में आए और उसे प्रोत्साहित किया। सामान्य सी नौकरी करते हुए भी उन्होंने अपने बच्चे की हर जरूरत पूरी किया और यह दिखाया कि खिलाड़ी को मुकाम पर पहुंचाने के लिए उनके माता पिता का बड़ा योगदान होता है।

अंडर 19 रिकर्व राउंड में खेलते हुए राज आर्चरी एकेडमी के समीर यादव ने 3 इवेंट में 160 अंकों में से 150 अंक हासिल कर 3 स्वर्ण पदक प्राप्त किये। इनके दोनों माता पिता पुलिस सेवा में होने के कारण उन्हें अभिवावकों से ज्यादा समय नहीं मिल पाया, लेकिन उनके कोच (मनोज राजपूत) ने कभी उन्हें अकेले महसूस में नहीं होने दिया, माता पिता ने भी हर संभव कोशिश कर बच्चे की मदद की। समीर छठी कक्षा में से तीरंदाजी सिखना चाहते थे और उनके पिता भी यही चाहते थे। बहुत खोजने के बाद जब उन्हें इंदौर राज आर्चरी एकेडमी के बारे में पता चला और सिर्फ 6-8 महीने की कड़ी मेहनत से समीर ने पदक हासिल किया।

भारतीय सेना में जाने की तैयारी कर रहे राज आर्चरी एकेडमी के एक और छात्र राजकुमार ओसारी ने भी इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में 5000 मीटर 5 किमी में हिस्सा लेते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया जो राजकुमार का पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है। राजकुमार के पिता रामकरण ओसारी नर्मदा प्रोजेक्ट में काम करते हैं। राजकुमार घर से दूर हॉस्टल में रहकर ना सिर्फ भारतीय सेना में जाने के लिए पसीना बहा रहे हैं बल्कि अपना खर्चा चलाने के लिए नौकरी भी करते हैं।

संपादकीय

झारखंड : काली कमाई के पहाड़

इस देश में भ्रष्टाचार तो रग-रग में व्याप्त है, लेकिन झारखंड में तो यह मानो अपने पूरे निर्लज्ज स्वरूप में है। वहां हाल में ईडी ने एक छापे में राज्य के मंत्री आलमगीर आलम के पीएस और उसके सहायक के यहां छापे मारकर 40 करोड़ रू. नकद बरामद किए हैं। ईडी ने पीएस संजीव लाल और उनके सहायक जगांगीर को गिरफ्तार कर लिया है। इस बीच मंत्री ने नोटों की जब्ती से पल्ला झाड़ लिया है, जबकि भाजपा ने इस भ्रष्टाचार को चुनावी मुद्दा बना दिया है। इस छापे का झारखंड की 14 लोकसभा सीटों पर असर जरूर होगा। वहां कुल चार चरणों में मतदान होना है। मतदान का पहला चरण 13 मई को है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने झारखंड में राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के सरकारी निज सचिव संजीव लाल और मंत्री के निजी सहायक (बाह्य) जहांगीर समेत अन्य के ठिकानों पर छापा मारा। छापामारी में जहांगीर के घर से भारी मात्रा में नकदी जब्त की है। ये नकद रुपये कूट के डिब्बों, पॉलिथीन और कपड़े की थैलियों में भर कर रखे हुए थे। जहांगीर के यहां से 31.20 करोड़ रुपये तथा संजीव लाल के करीबी बिल्डर मुन्ना सिंह के घर से 2.93 करोड़ रुपये नकद जब्त किये हैं। जहांगीर के घर से ईडी की टीम ने फ्लैट से एक लेटर भी जब्त किया है। इसमें ठेकेदारों से ली गई कथित रिश्वत के खुलासे की जांच और एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। सूत्रों के अनुसार विधायकों और अन्य हाई-प्रोफाइल लोगों द्वारा राज्य सरकार के अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग के लिए आलम को लिखे गए कुछ सिफारिशी लेटर भी बरामद किए गए हैं। ये मई 2023 में ईडी की रांची ब्रान्च ने झारखंड के मुख्य सचिव को लिखा था। जब्त किए नोट इतनी बड़ी तादाद में हैं कि नोट गिनने वाली मशीनें भी गरम होकर थक गईं। नोट गिनने में बैंक अधिकारियों की मदद लेनी पड़ी। झारखंड के मंत्री आलमगीर के निजी सचिव के नौकर के ठिकानों पर रेड में 25 करोड़ रुपये की नकदी, पेन ड्राइव और कई दस्तावेज मिले हैं। बताया जाता है कि यह भ्रष्टाचार ग्रामीण कार्य विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम की गिरफ्तारी के बाद सामने आई है। वीरेंद्र को पिछले साल ईडी ने गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने पिछले साल अपने बयान में कहा था कि ग्रामीण कार्य विभाग में मुख्य अभियंता रहते हुए वीरेंद्र राम ने ठेकेदारों को टेंडर देने के बदले कमीशन लिया, जो कि अपराध की कमाई है। इसके बाद अप्रैल में अधिकारी की 39 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त भी की गई थी। उनके खिलाफ झारखंड एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) की शिकायत पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज हुआ था। सवाल यह है कि झारखंड में नेताओं और सरकारी कर्मचारियों के पास से इतनी भारी नकदी कहां से आती है? जब दो नंबर के करोड़ों रूपए लोग घर में रखते हैं तो कमीशन का खेल कितना बड़ा होगा? पांच माह पहले दिसबंर में भी झारखंड में कांग्रेस सांसद धीरज साहू और उनके करीबियों के ठिकानों से 300 करोड़ से ज्यादा का कैश मिल चुका है। इन ठिकानों में झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के 10 ठिकाने शामिल थे। जहां आयकर विभाग जांच कर रहा है। इनकम टैक्स के अफसरों के मुताबिक, ये किसी सिंगल ऑपरेशन में बरामद हुई अब तक की सबसे बड़ी रकम थी। ये पैसा कूड़े की तरह ठूंस कर रखा गया था। हैरानी की बात यह थी इस भ्रष्ट सांसद का परिवार आजादी के आंदोलन से जुड़ा हुआ है। ईडी आगे कार्रवाई करेगी तो राज्य में भ्रष्टाचार के और कारनामे उजागर होंगे।

अमन की दरकार, कश्मीर घाटी में मतदान

चुनाव-चौबीस

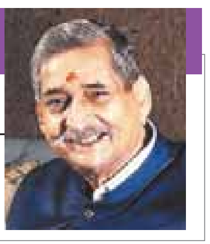

आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के जिस लाल चौक पर कुछ साल पहले तक सिर्फ सुरक्षा बलों के जवान ही झुण्ड के झुण्ड दिखाई दिया करते थे, वहां आजकल लोकसभा चुनाव को लेकर स्थानीय लोग खुलकर राजनीतिक चर्चाएं कर रहे हैं। कश्मीर घाटी में धारा 370 को हटाये जाने के बाद पहली बार कोई चुनाव हो रहे हैं। तब से घाटी की स्थिति में भी अभूतपूर्व बदलाव आया है। घाटी में आतंकवाद जब चरम पर चल रहा था, तब बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों और अन्य लोग वहां से भागकर दिल्ली और दूसरे राज्यों में शरण ली थी। तब इनके सामने विस्थापन का संकट झेलने से लेकर अनिश्चित भविष्य की मुश्किलों का सामना करने के अलावा कोई दिशा या रास्ता भी तो नहीं था।

2019 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गृहमंत्री अमित शाह ने जब धारा 370 को हटाया जिस एतिहासिक संसद के सत्र में भी भागीदार था, तब उनमें एक उम्मीद जगी है। तब से उन्हें यही महसूस हो रहा है कि अब वे किस तरह अपने कश्मीर जाकर फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट सकेंगे। कश्मीर घाटी में आतंकवाद के दौर के बाद लाखों पंडितों ने अपमान और अत्याचार के दौर में घाटी को छोड़ा था। वे आगामी 13 मई को अपना वोट राजधानी के पृथ्वीराज रोड पर स्थित जम्मू-कश्मीर हाउस में जाकर डालेंगे। उस दिन श्रीनगर सीट के लिए वोटिंग होनी है। यहां कश्मीरी पंडितों को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने की सुविधा दी गई है। इसके बाद 20 मई (बारामूला) और 25 मई को (अनंतनाग-राजौरी) में मतदान होगा। तब भी राजधानी और इसके आसपास रहने वाले कश्मीरी पंडित यहां आकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे ढ्ढ सरकार का कहना है कि जम्मू-कश्मीर में जल्द ही विधानसभा चुनाव भी कराकर वहां की जनता की चुनी हुई सरकार को लाने और विकास कार्य में तेजी लाकर देश की मुख्य धारा से राज्य को जोड़ने के लिए प्रयास शुरू हो चुके हैं। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में राज्य के अपने दौरे में इस बात को साफ तौर पर कहा भी था। साल 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राज्य का यह पहला दौरा था। श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में प्रधानमंत्री मोदी को सुनने के लिए करीब दो लाख लोग वहां पहुंचे थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने विस्तार से बताया था कि कैसे उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर के हालात को बदलने और वहां के युवाओं के लिए भविष्य को संवारने के लिए काम कर रही है। राजधानी और एनसीआर में आज भी हजारों कश्मीरी पंडित रहते हैं।

ये अधिकतर दक्षिण दिल्ली में ही रहते हैं। दिल्ली में रहने वाले कश्मीरी प्रवासियों को सरकार की ओर से हर महीने मासिक राहत पैकेज दिया जाता है। पहले यह 10,000 रुपये था, लेकिन पिछले साल 2023 में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इसको 10,000 रुपये से बढ़ाकर 27,000 रुपये प्रति माह कर दिया था। उप राज्यपाल ने दिल्ली सरकार के कश्मीरी प्रवासी कार्डों में नाम जोड़ने को भी मंजूरी दे दी थी। इससे प्रवासियों के बड़े और विवाहित बच्चों को अपने स्वयं के कश्मीरी प्रवासी कार्ड प्राप्त करने और एएमआर के लिए पात्र बनने की अनुमति मिल गई।

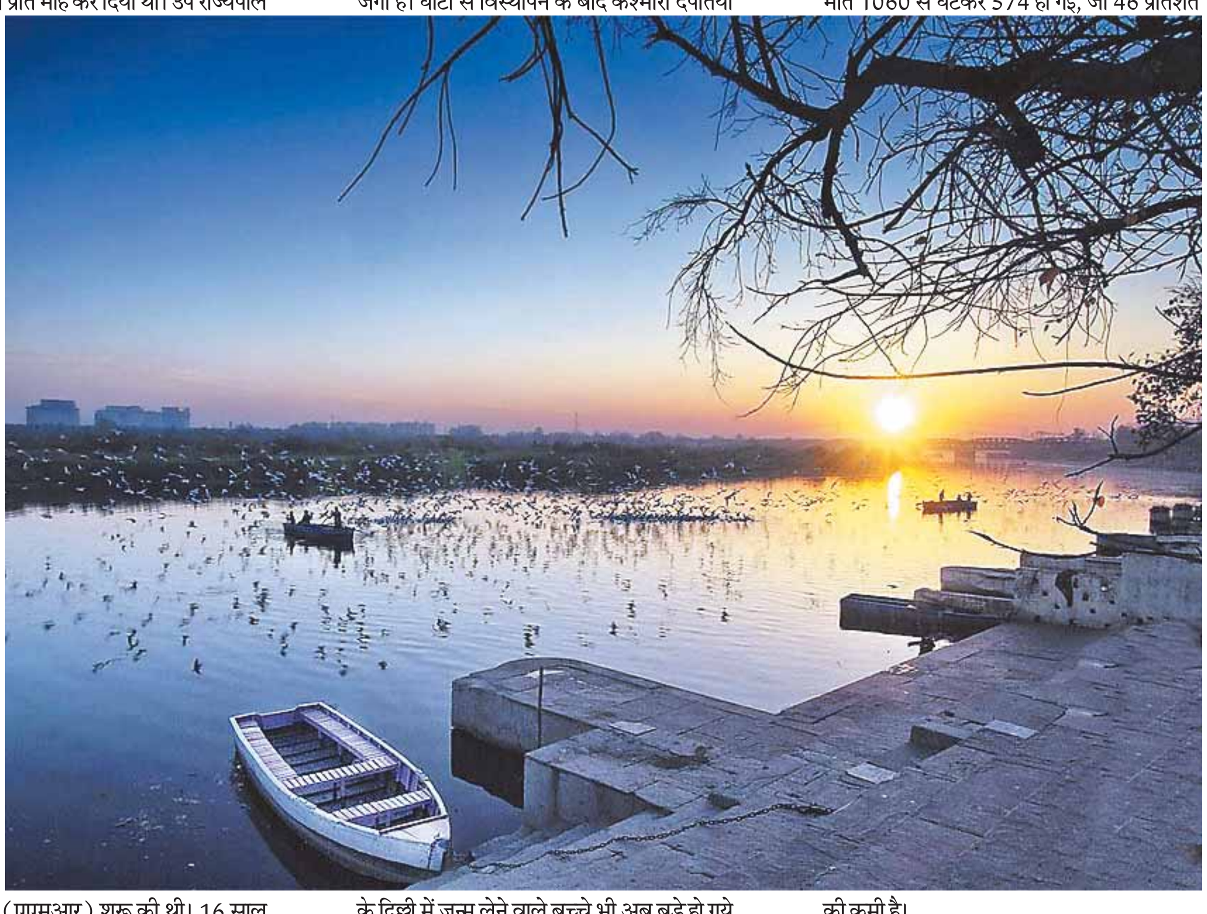

उग्रवाद के दौरान विस्थापित हुए कश्मीरी परिवारों के राहत और पुनर्वास के लिए सरकार 1989-90 में एडहॉक मंथली रीलिफ (एएमआर) शुरू की थी। 16 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में रह रहे कश्मीर लोगों के लिए इसको बढ़ाकर कश्मीरियों के लिए एक बड़ी राहत दी है। इससे पहले 2007 में सरकार ने एएमआर को 5,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया था। राहत पाने वालों की संख्या भी इस बीच काफी बढ़ी है। शुरू में जितने कश्मीरी परिवार दिल्ली में थे, अब तो उसमें काफी इजाफा हो गया है।

राजधानी के जामिया मिल्लिया इस्लामिया समेत राजधानी के तमाम विश्वविद्यालयों और कालेजों में बड़ी संख्या में कश्मीरी छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। काफी लोग विभिन्न सरकारी सेवाओं की प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटे हैं। सिविल सर्विस से लेकर सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में काफी कश्मीरी युवक-युवतियां नौकरी भी कर रहे हैं। बड़ी संख्या में घाटी के युवक और युवतियां यहां अपना खुद का व्यवसाय कर रहे है।

दिल्ली के अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दिल्ली से सटे दूसरे शहरों में भी कश्मीर से विस्थापित बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं। राजधानी में रह रहे कश्मीरी समुदाय का मानना है कि वर्षों बाद उनमें एक उम्मीद की किरण जगी है। घाटी से विस्थापन के बाद कश्मीरी दंपतियों के दिल्ली में जन्म लेने वाले बच्चे भी अब बड़े हो गये हैं। वे भी अब अपने पूर्वजों की जगह कश्मीर को जाकर देखना चाहते हैं।

इस बीच, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार जम्मू-कश्मीर से सशस्त्र बल विशिष्ट शक्ति (विशेष शक्तियाँ) अधिनियम कानून (एएफएसपीए) को भी रद्द करने पर विचार कर रही है। सरकार केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से सैनिकों को वापस बुलाने की योजना बना रही है और कश्मीर की कानून व्यवस्था को अब पूरी तरह जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले किया जाएगा। सरकार भी मान रही है कि जम्मू कश्मीर में आतंकियों का मूवमेंट कम हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि आतंकवाद में 80 फीसदी कमी आई है। पत्थरबाजी की घटनाएं तो पूरी तरह खत्म ही हो गई हैं। बंद, प्रदर्शन और हड़तालें भी नहीं हो रही हैं। गृह मंत्री ने कहा, 2010 में पथराव की 2564 घटनाएं हुई थीं, जो अब शून्य हैं। 2004 से 2014 तक मौतों की कुल संख्या 2829 थी और 2014-23 के दौरान यह घटकर 915 हो गई है। यह 68 प्रतिशत की कमी है। नागरिकों की मृत्यु 1770 थी और घटकर 341 हो गई है, जो 81 प्रतिशत की गिरावट है। सुरक्षा बलों की मौतें 1060 से घटकर 574 हो गई, जो 46 प्रतिशत की कमी है।

मोदी सरकार ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए 12 संगठनों पर प्रतिबंध लगाया है। 36 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। टेरर फंडिंग को रोकने के लिए 22 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं और 150 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की है। 90 संपत्तियां भी कुर्क की गईं और 134 बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं।

एक बात बहुत साफ है कि सरकार देश विद्रोही ताकतों को कुचलने के लिए तैयार है और जो वार्ता करना चाहता है उसका सदैव स्वागत भी है।

पाकिस्तान: किसका दोस्त किसका दुश्मन ?

राजनीति

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देश में लोकसभा चुनाव हों और पाकिस्तान की इंट्री न हो ऐसा बहुत कम ही देखा गया है। पाकिस्तान के चुनाव में भी प्रायः भारत विशेषकर कश्मीर का मुद्दा उठाया जाता है। दोनों जगह इसका मक़सद एक ही होता है कि जनता का ध्यान 'कथित राष्ट्रवाद' में उलझाकर उसे रोजगार,मंहगाई,शिक्षा, स्वास्थ्य तथा मूलभूत सुविधाओं के बारे में सोचने व चर्चा करने का मौक़ा ही न दिया जाये। इस बार स्वयं प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में पाकिस्तान को ज़ोर शोर से याद किया है। दरअसल पाकिस्तान में इमरान ख़ान सरकार के एक पूर्व मंत्री रहे चौधरी फ़वाद हुसैन ने यह कह दिया कि पाकिस्तान को राहुल गांधी का समर्थन करना चाहिए क्योंकि मोदी सरकार की नीतियां पाकिस्तान के ख़िलाफ़ हैं । हालांकि फ़वाद उस हद तक भी नहीं गये जैसे कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका जाकर 'अब की बार ट्रंप सरकार' का नारा तक लगवा दिया था। हालांकि चौधरी फ़वाद हुसैन के इस बयान पर राहुल गाँधी या कांग्रेस द्वारा कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गयी है। परन्तु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके इसी बयान को आधार बना कर बात का बतंगड़ खड़ा करने की कोशिश ज़रूर की है। वे चुनावी जनसभाओं में कहते फिर रहे हैं कि 'पाकिस्तान 'कांग्रेस के शहज़ादे' को प्रधानमंत्री बनवाना चाहता है'। मोदी कहते हैं कि 'कांग्रेस मरी, तो पाकिस्तान रोया'। अब पाकिस्तान दुआ कर रहा है। कांग्रेस के शाही परिवार के शहज़ादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला हो रहा है।' प्रधानमंत्री मोदी का इशारा पाते ही पूरे देश में भाजपाई राहुल और कांग्रेस पर हमलावर हो उठे हैं और कांग्रेस को पाकिस्तान परस्त बताने की पुरज़ोर कोशिश होने लगी है। ऐसे में कांग्रेस व भाजपा व उनके नेताओं के पाकिस्तान से रिश्तों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाना बेहद ज़रूरी है।

ग़ौर तलब है कि भारत पाकिस्तान के मध्य अब तक चार युद्ध हुये हैं। इनमें पहला युद्ध आज़ादी के फ़ौरन बाद 1948 में लड़ा गया जिसका केंद्र कश्मीर था। उसके बाद 1965 में दूसरा युद्ध हुआ जबकि 1971 में वह तीसरा ऐतिहासिक युद्ध हुआ जिसने विश्व का भूगोल बदल दिया। इसी युद्ध में पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए व बांग्लादेश नामक नये राष्ट्र का जन्म हुआ। यह तीनों ही युद्ध कांग्रेस के शासनकाल में लड़े गये। जबकि 1999 में एन डी ए के शासनकाल में अटल बिहारी वाजपई के प्रधानमंत्रित्व काल में ऑपरेशन विजय नामक कारगिल युद्ध, मई और जुलाई 1999 के बीच लड़ा गया। इस युद्ध में पाकिस्तान की सेना ने कश्मीरी उग्रवादियों के वेश में उनसे मिलकर नियंत्रण रेखा पार करने और भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करने का दुस्साहस किया था। उपरोक्त सभी युद्ध में पाकिस्तान को भारतीय सेना के हाथों मुंह की खानी पड़ी थी। परन्तु पाकिस्तानी सरकार विशेषकर पाक सेना को 1971 का वह युद्ध भुलाये नहीं भूलता जिसने न केवल पाकिस्तान का नक़्शा बिगाड़ दिया बल्कि इसी युद्ध में पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सेना के समक्ष विश्व का अब तक का सबसे बड़ा सैन्य आत्म समर्पण भी करना पड़ा था। अपनी उसी टीस को मिटने के लिये पाकिस्तान आज तक भारत विरोधी साज़िशें यहाँ तक कि भारत में आतंकवाद तक को प्रायोजित करता रहता है। लिहाज़ा यह प्रचारित करना कि पाकिस्तान कांग्रेस का हितैषी है सरासर दुष्प्रचार के सिवा और कुछ नहीं।

परन्तु इसी सन्दर्भ में भाजपा नेताओं विशेषकर स्वयं प्रधानमंत्री मोदी के पाकिस्तान के प्रति उदारतापूर्ण बर्ताव की बात करना भी ज़रूरी है। याद कीजिये जून, 2005 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी पाकिस्तान के संस्थापक नेता क़ायदे आज़म मोहम्मद अली जिन्ना की कराची स्थित मज़ार पर श्रद्धांजलि देने गये थे। उसी समय वे पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री लियाक़त अली ख़ान की मज़ार पर भी श्रद्धांजलि देने गये थे। इस दौरान आडवाणी ने जिन्ना को धर्मनिरपेक्ष नेता बताते हुए कहा था कि वह एक अलग शख़्सियत थे तथा उन्होंने इतिहास बनाया था। उस समय संघ व भाजपा में तो आडवाणी के इस क़दम का विरोध ज़रूर हुआ था मगर कांग्रेस ने चुनाव में इसे मुद्दा कभी नहीं बनाया गया।

उसके बाद मई 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने उस समय उन्होंने दक्षेस देशों के प्रमुखों को अपने शपथ ग्रहण कार्यक्रम में आमंत्रित किया। इसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ भी भारत आए थे । उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शरीफ़ को उनकी मां के लिये एक शॉल भेंट किया था । शरीफ़ जब वह बेशक़ीमती शॉल लेकर पाकिस्तान पहुंचे तो उनकी बेटी मरियम शरीफ़ ने इस तोहफ़े के लिए मोदी का शुक्रिया अदा किया। मरियम ने ट्विटर पर लिखा, 'मेरी दादी के लिए इतना बढ़िया शॉल गिफ़्ट करने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। मेरे पिता ने खुद अपने हाथों से यह तोहफ़ा दादी को दिया।' इस के फ़ौरन बाद जून 2014 के प्रथम सप्ताह में ही नवाज़ शरीफ़ ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के लिए तोहफे में 'रिटर्न गिफ़्ट' के रूप में एक क़ीमती साड़ी भेजी। उस समय मोदी ने भी ट्वीट किया था - 'कि नवाज़ शरीफ़ ने मेरी मां के लिए शानदार सफ़ेद साड़ी भेजी है। मैं उनका आभारी हूं। जल्द ही मैं साड़ी अपनी मां के पास भेज दूंगा।' और उसी दिन देर शाम तक शरीफ़ का ये क़ीमती तोहफ़ा मां हीराबेन तक पहुंच भी गया था। इस तोहफ़े के लिए नरेंद्र मोदी ने उस समय प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ का शुक्रिया भी अदा किया था। पड़ोसी देश के साथ आत्मीयता और क़ीमती तोहफ़ों के लेनदेन की ऐसी मिसाल कांग्रेस के शासनकाल में तो कभी नहीं सुनाई दी?

नरेंद्र मोदी व शरीफ़ के बीच आत्मीयता के रिश्ते की यही एक कहानी नहीं। याद कीजिये 25 दिसंबर, 2015 को जब वो पहली बार नवाज़ शरीफ की पोती के निकाह में शामिल होने के लिये बिना किसी पूर्व घोषित कार्यक्रम के पाकिस्तान पहुंच गये थे। उस दिन वो शरीफ की पोती की निकाह में भी शामिल हुए थे। उस समय मोदी ने नवाज़ शरीफ को अफ़ग़ानिस्तानी गुलाबी साफ़ा भी तोहफ़े में दिया था, जिसे शरीफ़ ने उसी समय विवाह समारोह में पहना भी था। तो क्या आडवाणी या मोदी का पाकिस्तान के प्रति दोस्ताना व सद्भावपूर्ण रवैया सौहार्द बनाने की कोशिश माना जाये और पाकिस्तान की नज़रों में हमेशा खटकने वाली कांग्रेस पार्टी को पाकिस्तान परस्त 2015 में अमित शाह बिहार चुनाव के दौरान कहते फिरते थे कि यदि लालू -नितीश का महागठबंधन चुनाव जीता और भाजपा हारी तो पाकिस्तान में पटाखे फूटेंगे। आज वही नितीश कुमार भाजपा के साथ हैं तो क्या अब नितीश की जीत पर पाकिस्तान में पटाखे नहीं फूटेंगे? अवसरवादिता और राजनैतिक शातिरपने की भी आख़िर कोई इन्तेहा होती है ? सच तो यह है कि कांग्रेस व भाजपा के नेताओं के पाकिस्तान से रिश्तों के रिकार्ड खुद इस बात के गवाह है कि पाकिस्तान किसका दोस्त है और किसका दुश्मन?

जांच की आंच

कटाक्ष

राजेंद्र बज

आम आदमी की तो सरकारी जांच से ही घिग्गी बंध जाती है लेकिन आम आदमी जब राजनीति में कूदा हुआ होता है, समर्थक आसमान सिर पर उठा लिया करते हैं। राजनीति का यही सबसे बड़ा फायदा है कि काला-पीला कुछ भी करो, दलीय ऊर्जा एवं चेतना हमारे क्रियाकलापों या कारनामों के लिए एक कवच बन जाया करती है। यही कारण है कि बड़े-बड़े धन्ना सेठ राजनीतिक दलों को दिल और तिजोरी खोलकर चंदा दिया करते हैं। लेकिन जो सीधे तौर पर राजनीति में सक्रिय होते हैं, चंदा देते नहीं अपितु लेते हैं। वैसे कभी-कभी किसी मामले को रफा-दफा करने के लिए भी जांच का सहारा लिया जाता है।

राजनीति भी एक कलेजे का काम है, यही कारण है कि राजनीति में काम करने वाला जांच से कभी घबराता नहीं है। वह समर्थकों के बूते जांच का सामना करता है। खैर, जांच तो जांच होती है- जब बैठ जाती है या बैठा दी जाती है, राजनीति के मैदान में भूचाल-सा आ जाता है। कभी-कभी जांच अपना रंग दिखाती भी है तो परिजन विरासत में प्राप्त होने वाली राजनीतिक जमावट का सीधे तौर पर लाभ लेने लगते हैं। वैसे कभी-कभी ऐसा भी हो जाता है कि जांच पर जांच से स्वयं जांच पर ही आंच आ जाया करती है। वैसे राजनीति में जांच को आम जनमानस गंभीरता से नहीं लेता।

परंपरा तो यह भी रही है कि हम तुमको नहीं छेड़ेंगे और तुम हमको मत छेड़ना। यही कारण है कि सरकार या नेता विशेष पर भ्रष्टाचार के गंभीर से गंभीर आरोप लगाने के उपरांत जब सत्ता प्राप्त होने का योग आता है, एकाएक चुप्पी साध ली जाती है। इसके मूल में यही भावार्थ होता है कि महज आरोप लगाने के लिए आरोप लगाए थे या फिर आरोप तो सही थे, लेकिन सत्ता तो आनी-जानी चीज है, फिर हमारा क्या होगा ? याने कि यह एक प्रकार का ऐसा बीमा हो जाता है कि भविष्य में उनका समय आने पर हमारे विरुद्ध जांच नहीं बैठेगी। उसी तरह जैसे मिले सुर मेरा तुम्हारा, तो सुर बने हमारा।

जांच बैठी भी तो उसे 'राजनीतिक दुर्भावना' करार देकर जनता जनार्दन की सहानुभूति प्राप्त कर ली जाती है। यूं भी जांच के उपरांत इतनी सारी विधि सम्मत औपचारिकता है कि आदमी मजे से अपनी जिंदगी जी सकता है। होने को तो कभी-कभी ऐसा भी होता है कि किसी को इशारों ही इशारों में चेतावनी देने के निमित्त उनके कुनबे में से किसी एक पर जांच बैठा दी जाती है। जमाना जानता है कि नेता कुछ नहीं करता लेकिन उसके पास सब कुछ होता है। दरअसल राजनीति में ही यह चमत्कार संभव है। इसके मूल में जाने के लिए जांच कारगर हो सकती है, आपका हमारा दुर्भाग्य कि ऐसा नहीं होता।

जांच एक प्रकार का आश्वासन है कि मामले में गंभीर रूप से संज्ञान लिया जा चुका है। नतीजा चाहे सिफर निकले, लेकिन किसी भी मामले की जांच प्रक्रिया 'सुनवाई हो रही है', ऐसा आभास दिया करती है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में अब तक जाने कितने मामलों में जाने कितनी जांच बैठ चुकी है। जांच भी बड़ी ठीठ प्रवृत्ति की होती है, टोचे पर टोचे मारे जाने पर भी टस से मस नहीं हुआ करती।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

भाईसाहब, एक फोटो हो जाए

व्यंग्य

प्रदीप औदिच्य

लेखक व्यंग्यकार हैं।

पर्चे बांटते हुए एक घर का दरवाजा खटखटाया। अंदर से आवाज आई कौन ?

बाहर खड़े एक पार्टी के कार्यकर्ता ने कहा ,भाई साहब बाहर आइए,हम प्रचार करने आएँ हैं,आपको ये पर्चा देना है।अंदर से फिर आवाज आई ,दरवाजे के नीचे से खिसका दो। मैं पढ़ लूंगा।बाहर वाला कार्यकर्ता सिर्फ कार्यकर्ता ही नही था, वह बीमा एजेंट भी था। उसने कहा दरवाजा खोलिए ,हमे आपका फोटो भी लेना है।

अंदर वाला व्यक्ति अब ढीला पढ़ चुका था क्यों कि बात अब फोटो तक आ गई थी।उसने कहा ठीक है ,मैं आता हूं।

अब कोई नेता जी अपने मोहल्ले में बड़े दिनों बाद आए हों।फिर उनके साथ फोटो न हो इसका मोह वह छोड़ नही पाया।राजनीति में अब सबसे आसान काम है फोटो लेना।पार्टियों के कार्यकर्ता के पास अब काम ही नही बचा।दीवार पर नारे लिखना, प्रत्याशियों के पोस्टर चिपकाने का चुनाव आयोग ने मना कर दिया।दरी बिछाने और कुर्सी लगाने का होटल काम टेंट वाले खुद कर देते हैं। जनता पैसे पर आ ही जाती है। पर्ची बीएलओ बांट देते है। बस गली गली प्रचार के पर्चे ही बांटना काम रह गया है।वह भी इसलिए कि फोटो खींच कर ,सबको दिखाया जा सके,देखो हम पार्टी के लिए काम करते हैं।हरेक राजनितिक दल के कार्यकर्ता को प्रचार के फोटो लेना अब उतना ही आवश्यक है जितना मतदान के बाद उंगली पर स्याही लगना।

आदमी बाहर आया,लुंगी और फटी हुई बनियान पहने हुए। अब उसकी फटी हुई बनियान देखकर,,सत्ता वाले दल के लोग कह सकते है,,ये गरीबी नही सादगी का कारण है,घर में दो लुंगी होंगी।एक सूख रही होगी ,तो पुरानी पहन ली। विपक्षी दल के लोग तो यकीनन उसे गरीबी का प्रतीक बता कर सरकार की योजना का असफलता का पोस्टर बॉय भी बना सकते हैं।

उसने देखा..बाहर खीसे निपोरता हुआ मोहल्ले में जुए का अड्डा चलाने वाला कार्यकर्ता था।जो वार्ड पार्षद का चुनाव हार चुका था,उसको इसलिए ही वार्ड के लोगो ने हराया था कि वह मोहल्ले में जुए का अड्डा चलाता है। उसी पार्टी के लिए आया है जिसको वह इसी के कारण वोट नहीं देता था। उसने पर्चा दिया,आदमी भौचक्का रह गया,अरे ये तो किसी और पार्टी के लिए वोट मांग रहा है।

आदमी ने कहा तुम्हारी पार्टी के लिए वोट मांगो।बाहर खड़े हा. हु.पा.(हारा हुआ पार्षद)ने कहा अब मेरी पार्टी यही है।

आदमी ने कहा साफ सुधरी हुई पार्टी में आ गए हो,क्या सुधर गए हो।

हा. हु.पा. ने कहा, नहीं,वह मेरा धंधा है,ये मेरी राजनीति है..

और मैं धंधे के बीच राजनीति नहीं लाता, हां राजनीति से धंधे को फायदा हो सकता है तो मैं क्या कर सकता हूं।

अब हा.हु .पा. ने कहा आपको ये योजना की राशि मिली होगी, आदमी ने कहा, हां मिली तो है,,लेकिन आपको उसका कमीशन पिछली बार दिया था न,अब क्या फिर से कमीशन चाहिए,,?

हा. हु.पा.ने इंकार में सिर हिलाया,,नही भाई..ये तो नए वाले का हक है..मैं बहुत ईमानदार हूं,,।

मैं दूसरे के हक में कोई डाका नही डालता..।

मैं जब अगली बार इस वाली पार्टी से जीतूंगा तब मागूंगा।

आदमी ने कहा तुम इस पार्टी में कब तक रहोगे?

हा. हु.पा. ने कहा,धंधा है जब तक।

धंधे से बड़ा कोई विचार नहीं,हम विचार में ही धंधा रखते हैं।

आदमी ने कहा,नई पार्टी के विचार के बारे में बदल गए क्या?, उसने कहा मैं विचार की राजनीति नही करता।मैं व्यवहार की राजनीति जानता हूं...और व्यवहार आदमी को बदलते रहना चाहिए।

उस के पीछे चुप खड़े एक अन्य कार्यकर्ता को देखकर आदमी ने कहा आप को मैने पहले भी देखा है,

उस दूसरे कार्यकर्ता ने कहा,मैं इस पार्टी का पुराना कार्यकर्ता हूं।मैं पिछले चुनाव में वोट मांगने आया था,,आदमी बोला आप पीछे क्यों है ?..उसने कहा मैं इनके मजबूती से खड़ा हूं।

नए कार्यकर्ता ने कहा,ये सब छोड़िए,कहां अचार विचार की बातों में लग गए..भाई साहब आइए आपके साथ एक फोटो हो जाए..।

शिक्षा

आशा नारंग

पर्याप्त सुविधाओं के अभाव से प्रभावित होती बालिका शिक्षा

हाल ही में आईसीएसई समेत विभिन्न राज्यों के दसवीं और बारहवीं के परिणाम घोषित हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने उम्मीद से कहीं अधिक बढ़कर प्रदर्शन किया है. यह आंकड़े बताते हैं कि यदि अवसर और सुविधाएं प्रदान किये जाएं तो लड़कियां भी किसी भी परिणाम को अपने पक्ष में करने की भरपूर सलाहियत रखती हैं. दरअसल आज़ादी के बाद हमारे देश में चाहे केंद्र की सरकार हो, या राज्य की सरकारें, सभी ने जिन बुनियादी सुविधाओं के विकास पर सबसे अधिक फोकस किया उसमें शिक्षा भी एक अहम विषय था. शहर से लेकर गांव और अमीर से लेकर गरीब तक के सभी बच्चों को समान रूप से शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए कई स्तर पर योजनाएं तैयार की गई. बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंच को आसान बनाने पर ज़ोर दिया गया, गरीब के बच्चों की शिक्षा में कोई बाधा न आये इसके लिए अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की गई, किताब-कॉपियां और स्कूल ड्रेस मुफ्त उपलब्ध कराये जाने लगे.

सरकार की इस पहल का बहुत सकारात्मक परिणाम भी नज़र आने लगा. आज़ादी के बाद 1951 की पहली जनगणना में जहां देश में साक्षरता की कुल दर महज़ 18.33 प्रतिशत थी वहीं 60 वर्षों बाद 2011 में यह बढ़कर 74 प्रतिशत से अधिक हो गई. लेकिन इस सुखद आंकड़ों के साथ सिक्के का एक दूसरा पहलू यह है कि अभी भी किशोरियों विशेषकर दूर दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों की किशोरियों के सामने शिक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है. अभी भी हमारे देश में कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां महिलाओं की साक्षरता दर बेहद कम है. जहां मुश्किल से लड़कियां 12वीं तक भी शिक्षा प्राप्त कर पाती हैं. ऐसा ही एक गांव राजस्थान के अलवर जिला स्थित शादीपुर है. जहां आज भी महिलाओं में साक्षरता की दर दहाई के आंकड़े को भी पार नहीं कर सका है. इस गांव में बालिका शिक्षा के प्रति जहां समाज में उदासीनता है वहीं शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की योजनाएं भी दम तोड़ती नज़र आती है.

अलवर जिला से करीब 67 किमी और तिजारा तहसील से लगभग 20 किमी की दूरी पर आबाद इस गांव की जनसंख्या 300 के आसपास है. इसमें महिलाओं की जनसंख्या करीब 48 प्रतिशत है. मुस्लिम बहुल इस गांव में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल साक्षरता की दर 18 प्रतिशत से भी कम है. पुरुषों में जहां साक्षरता की दर करीब 30 प्रतिशत है वहीं महिलाओं में यहां साक्षरता की दर पांच प्रतिशत से भी कम है. जो न केवल चिंता का विषय है बल्कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने वाले हमारे आंकड़ों पर भी प्रश्न चिन्ह लगाता है. इतना ही नहीं गांव में न तो कोई पंचायत घर है, न आंगनबाड़ी और न ही सार्वजानिक शौचालय की कोई सुविधा उपलब्ध है. गांव वालों के रोज़गार का मुख्य साधन पशुपालन, दैनिक मज़दूरी, थ्रेसर मशीन चलाना, ट्रक ड्राइवर का काम करना और कुछ परिवार की अपनी ज़मीन है जिस पर वह खेती करते हैं. महिलाएं घर के काम के साथ साथ खेती के काम में भी पुरुषों का हाथ बटाती हैं. गांव में पक्की सड़क का अभाव होने के कारण आवागमन की सुविधा भी सुलभ नहीं है.

गांव में बालिका शिक्षा की चिंताजनक स्थिति के बारे में 35 वर्षीय अब्बास बताते हैं कि गांव में केवल 8वीं तक ही स्कूल है. इससे आगे की शिक्षा प्राप्त करने के लिए लड़कियों को 10 किमी दूर अन्य गांव में जाना पड़ेगा. लेकिन आवागमन की सुविधाओं का अभाव, लड़कियों के साथ होने वाले छेड़छाड़ का डर और बालिका शिक्षा के प्रति समाज की सीमित सोच के कारण अभिभावक लड़कियों को इतनी दूर भेजने से इंकार कर देते हैं. जिससे चाह कर भी कोई लड़की 9वीं या 10वीं की शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाती है. वह बताते हैं कि गांव में 8वीं तक जो सरकारी विद्यालय संचालित हैं उनमें भी सुविधाओं का घोर अभाव है. प्रधानाध्यापक सहित केवल 4 शिक्षकों के भरोसे यह पूरा स्कूल चल रहा है. इसके अतिरिक्त स्कूल में न तो पीने के साफ़ पानी की व्यवस्था है और न ही छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय की उचित व्यवस्था है.

नाम नहीं बताने की शर्त पर एक छात्रा की मां बताती है कि उनकी बेटी कई बार स्कूल में सुविधाओं की कमी की शिकायत कर चुकी है. लेकिन वह आर्थिक रूप से इतनी सशक्त नहीं हैं कि अपनी बेटी का एडमिशन गांव से बाहर या किसी निजी शिक्षण संस्थान में करा सकें. वह बताती है कि स्कूल में कोई महिला शिक्षिका के नहीं होने से लड़कियों को अक्सर माहवारी के दौरान समस्याओं का सामना करना पड़ता है. इसीलिए माहवारी के दिनों में गाँव की लड़कियां स्कूल जाना बंद कर देती हैं. जिससे वह धीरे धीरे शिक्षा में पिछड़ती चली जाती हैं. 8वीं के बाद की शिक्षा के लिए दूसरे गाँव जाने के प्रश्न पर एक अन्य महिला कहती हैं कि 'हमें अपनी लड़कियों की सुरक्षा की चिंता होती है. ज़माना ठीक नहीं है. यदि किसी लड़की के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ की घटना हो जाए तो न केवल उस लड़की की बल्कि उसके पूरे खानदान की इज्जत चली जाएगी. इसलिए कोई भी अभिभावक 8वीं के बाद इतनी दूर अपनी लड़की को स्कूल भेजने के लिए कभी तैयार नहीं होते हैं.'

सामाजिक कार्यकर्ता और मेवात शिक्षा पंचायत के सदस्य ज़फ़र कहते हैं कि 'जब गाँव में शिक्षा का कोई माहौल ही नहीं है तो बालिका शिक्षा की बात बहुत दूर है. गाँव में आज तक केवल एक लड़के को सरकारी नौकरी लगी है. किसी लड़की को जब ग्रेजुएशन तक पढ़ाया ही नहीं जाएगा तो उसके सरकारी नौकरी में होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है?' वह कहते हैं कि 'हालांकि पहले की तुलना में अब गांव में शिक्षा के प्रति थोड़ी बहुत जागरूकता भी बढ़ी है. लोग अपने बच्चों को पढ़ाना भी चाहते हैं लेकिन बालिका शिक्षा के प्रति अभी भी बहुत जागरूकता की आवश्यकता है. यदि गांव में ही 10वीं या 12वीं तक स्कूल खुल जाए तो शायद किशोरियों के लिए भी उच्च शिक्षा तक पहुंच बनाना आसान हो सकता है.'

उन्होंने बताया कि 'अलवर मेवात शिक्षा एवं विकास संस्थान जैसी कुछ एनजीओ ने इस दिशा में पहल की है. जिन्होंने अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से गांव में किशोरी बालिकाओं के शिक्षण केंद्र (एजीएलसी) की शुरुआत की है. इसमें 11 से 18 वर्ष की न केवल उन बालिकाओं को पढ़ाया जाता है जिनकी 8वीं के बाद पढ़ाई छूट गई थी, बल्कि उन बालिकाओं को भी शिक्षित किया जा रहा है जो किसी कारणवश कभी स्कूल भी नहीं गई हैं. इस संस्था के माध्यम से 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी किशोरियों को राजस्थान ओपन स्कूल से 10वीं और 12वीं की परीक्षा में भी सम्मिलित होने में मदद की जा रही है. संस्था के इस प्रयास का परिणाम है कि साइमा नाम की लड़की इस गाँव की पहली लड़की बनी है जिसने 10वीं की परीक्षा दी है.'

दरअसल, हमारे देश में आज भी कुछ गांव ऐसे हैं जहाँ लड़कियों को बीच में ही स्कूल छुड़ा दिया जाता है. इसके पीछे कुछ मुख्य कारक हैं जिनमें लैंगिक भेदभाव, आर्थिक स्थिति, स्कूलों तक पहुंच का अभाव, जल्दी शादी और सामाजिक एवं सांस्कृतिक मानदंड. यह वह पहलू हैं जिससे कहीं न कहीं बालिकाओं की शिक्षा प्रभावित होती है. जो किसी भी समाज के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है. इसे किसी योजना के माध्यम से नहीं बल्कि समाज में जागरूकता फैला कर ही समाप्त किया जा सकता है. (चरखा फीचर)

दृष्टिकोण

बाल मुकुन्द ओझा
लेखक पत्रकार हैं।

सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा है बाल विवाह

देश के कई प्रदेशों में आखातीज पर ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में चोरी छिपे बाल विवाह होते हैं। बाल विवाह एक सामाजिक बुराई होने के साथ ही कानूनन अपराध भी है। जिसकी रोकथाम और उन्मूलन के लिए सरकार प्रयासरत है। ऐसा देखा गया है सरकार की सख्ती, प्रचार प्रसार और कानूनी प्रावधानों के बावजूद लोग बाल विवाह कराने से चूकते नहीं हैं ऐसे में प्रतिवर्ष सरकार इनकी रोकथाम के लिये अलग से प्रयास करती है। इसी कड़ी में सरकार अपनी वैधानिक और कानूनी खानापूर्ति करती है। कई स्थानों पर ऐसे विवाह रुकवाए भी है मगर फिर भी इस सामाजिक बुराई को पूरी तरह नहीं रोका जा सका है। लोग अपनी पुरानी परम्पराओं और लड़की की सुरक्षा का हवाला देकर कानून की परवाह नहीं करते हुए गलत कृत्यों को अंजाम देते है।

बाल विवाह का अर्थ है छोटी आयु में शादी। अर्थात् 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह होना। भारत में बाल विवाह की प्रथा का अनादिकाल से प्रचलन है। लाख कोशिशों के बाद भी हम इस कुप्रथा को समाप्त नहीं कर पाये हैं। सभ्य समाज के मुंह पर यह एक तमाचा है। यह मानव जीवन की सबसे बड़ी और दुःखदाई त्रासदी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, भारत बाल विवाह के मामले में दूसरे स्थान पर है। बाल विवाह केरल राज्य, जो सबसे अधिक साक्षरता वाला राज्य है, में अब भी प्रचलन में है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय क्षेत्रों से अधिक बाल विवाह होते है। भारत में दुनिया के 40 प्रतिशत बाल विवाह होते हैं। देश में 49 प्रतिशत लड़कियों का विवाह 18 वर्ष से कम आयु में ही हो जाता है लिंगभेद और अशिक्षा का ये सबसे बड़ा कारण है। राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में सबसे खराब स्थिति है। भारत में लंबे समय से बाल विवाह पर अंकुश लगाने के प्रयास होते रहे हैं। बाल विवाह पर रोक संबंधी कानून सर्वप्रथम सन् 1929 में पारित किया गया था। बाद में सन् 1949, 1978 और 2006 में इसमें संशोधन किए गए। इस समय विवाह की न्यूनतम आयु बालिकाओं के लिए 18 वर्ष और बालकों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है। छोटी आयु में विवाह का मुख्य कारण अशिक्षा और गरीबी है। अभिभावक गरीबी के कारण अपनी बेटी का जल्दी विवाह कर एक सामाजिक दायित्व से निवृत्त होना चाहते हैं। नासमझी और अशिक्षित होने के कारण उन्हें यह ज्ञान नहीं है कि वे अपनी बेटी को एक अंधे कुंए की ओर धकेल रहे हैं जिसमें से वह ताउम्र नहीं निकल पायेगी। छोटी आयु में विवाह के कारण लड़की को गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ता है। खेलने-कूदने के दिनों में वह सेक्स की शुरूआती एवं प्रारम्भिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझती रहती है। इसके अलावा बालिका वधु को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। शारीरिक रूप से अपरिपक्वता के साथ-साथ उसे शिक्षा से भी वंचित होना पड़ता है।

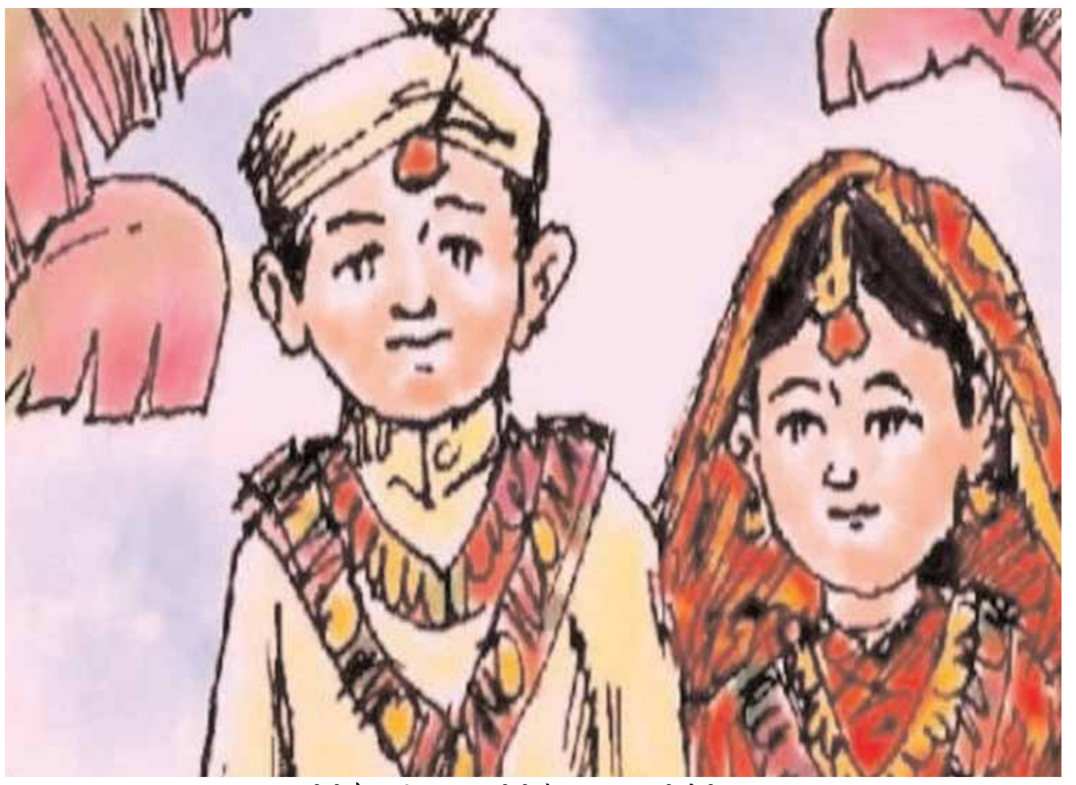

बाल विवाह आज भी ज्वलन्त समस्या के रूप में हमारे सामने है। यह अनादिकाल से चली आ रही है। सामाजिक मान्यता मिलने के कारण इसे बढ़ावा मिला। इसी कारण इस कुप्रथा ने विकराल रूप धारण कर लिया। अशिक्षा एवं अंधविश्वासी समाज ने इस कुप्रथा को अपना लिया। बाल विवाह को बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन भी माना गया है। जब तक बच्चे बालिग या समझदार न हो जायें और अपने भले-बुरे की पहचान के योग्य नहीं हो जायें तब तक बाल विवाह किसी भी स्थिति में नहीं किये जाने चाहिये।

यह भी वैज्ञानिक परिणामों से स्पष्ट है कि बाल विवाह से अच्छे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा का अधिकार, खेलने-कूदने के अवसर हासिल नहीं होते। कच्ची उम्र में शादी होने से स्वास्थ्य एवं जननांगों पर खराब असर पड़ता है जिसे बच्चों को ताउम्र झेलना पड़ता है। बाल विवाह के समर्थक इसके पक्ष में अनेक कुतर्कों का सहारा लेकर समाज को गुमराह करने का कुत्सित प्रयास करते हैं। अनेक अभिभावक यह मानते हैं कि जल्दी विवाह से लड़कियों को यौन हिंसा से बचाया जा सकता है। सामाजिक चेतना के अभाव और कानून की शिथिलता के कारण निश्चय ही बाल विवाह की सामाजिक कुरीति को बढ़ावा मिलता है। बाल विवाह को रोकने के लिए समाज में जन चेतना के प्रयास आवश्यक हैं। पिछले कुछ दशकों से इस दिशा में किये गये प्रयासों का असर देखने को मिला है। शिक्षित समाज ने इस सामाजिक बुराई को समझा है। मगर ग्रामीण तबका आज भी बाल विवाह का पक्षधर है। इस तबके को समझाने के लिए साम, दाम, दण्ड और भेद के जरिये बाल विवाह को रोकने के सभी सम्भव प्रयास करने होंगे। इसके लिए बुजुर्गों का सहयोग जरूरी है। आखातीज पर बड़े स्तर पर बाल विवाह होते हैं जिन्हें रोकने के लिए सामाजिक चेतना और सामूहिक सहभागिता जरूरी है।

सेहत

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मिलावट का कहर, स्वास्थ्य के लिये जहर

भारतीय मसालों की गुणवत्ता की साख जब दुनिया में धुंधली हुई है, मिलावटी मसालों पर देश से दुनिया तक बहस छिड़ी हुई है, तब दिल्ली में मिलावट के एक बड़े मामले का पर्दाफाश होना न केवल चिंताजनक है बल्कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये शर्मनाक है। भारत में मिलावट का मामला मसालों तक ही सीमित नहीं है। मिलावटखोरों ने दवाइयों, तेल, घी, दूध, मिठाइयों से लेकर अनाज तक किसी चीज को नहीं छोड़ा है। हर साल त्योहारों पर देशभर से मिलावटी मावा और मिलावटी मिठाइयों की खबरे आती हैं। प्रश्न है कि आखिर मिलावट का बाजार इतना धडल्ले से क्यों पनप रहा है, क्यों सिस्टम लाचार है, मिलावटखोरी का अंत क्यों नहीं हो पा रहा है? लोकसभा चुनाव के दौरान मिलावट की त्रासद एवं जानलेवा घटनाओं का उजागर होना, क्यों नहीं चुनावी मुद्दा बनता?

कह तो सभी यही रहे हैं--'बाकी सब झूठ है, सच केवल रोटी है।' लेकिन इस बड़े सच रोटी यानी पेट भरने की खाद्य-सामग्री को मिलावट के कारण दूषित एवं जानलेवा कर दिया गया है। देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट मुनाफाखोरी का सबसे आसान जरिया बन गई है। खाने-पीने की चीजें बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। किसी भी वस्तु की शुद्धता के विषय में हमारे संदेह एवं शंकाएं बहुत गहरा गयी हैं। मिलावट का धंधा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भी फैला हुआ है और इसकी जड़ें काफी मजबूत हो चुकी हैं। जीवन कितना विषम और विषभरा बन गया है कि सभी कुछ मिलावटी है। सब नकली, धोखा, गोलमाल ऊपर से सरकार एवं संबंधित विभाग कुंभकरणी निद्रा में है। मिलावटी खाद्य पदार्थ धीमे जहर की तरह हैं। ये दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों, अल्सर, कैंसर वगैरह की वजह बन सकते हैं। खाने वालों को आभास भी नहीं होता कि वे धीरे-धीरे किसी गंभीर बीमारी की ओर जा रहे हैं। वे किसी पर भरोसा कर कुछ खरीदते हैं और मिलावटखोर तमाम कानून बने होने एवं प्रशासन की सक्रियता के बावजूद इस भरोसे को तोड़ रहे हैं। उनकी वजह से दूसरे देशों का भी भरोसा भारतीय उत्पादों पर कम होने की स्थितियां बनती जा रही है। कुछ दिनों पहले ही हांगकांग और सिंगापुर ने लिमिट से ज्यादा पेस्टिसाइड का आरोप लगाकर दो भारतीय ब्रैंड के कुछ मसालों को बैन किया था। अगर ऐसा हुआ तो इनके निर्यात से करोड़ों डॉलर की आमदनी पर आंच आएगी।

मिलावट करने वालों को न तो कानून का भय है और न आम आदमी की जान की परवाह है। दुखद एवं विडम्बनापूर्ण तो ये स्थितियां हैं जिनमें खाद्य वस्तुओं में मिलावट धड़ल्ले से हो रही है और सरकारी एजेन्सियां इसके लाइसैंस भी आंख मूंदकर बांट रही है। जिन सरकारी विभागों पर खाद्य पदार्थों की क्वॉलिटी बनाए रखने की जिम्मेदारी है वे किस तरह से लापरवाही बरत रही है, इसका परिणाम आये दिन होने वाले फूड प्वाइजनिंग की घटनाओं से देखने को मिल रहे हैं। मिलावट के बहुरुपिया रावणों ने खाद्य बाजार जकड़ रखा है। मिलावट का कारोबार अगर फल-फूल रहा है, तो जाहिर है कि इसके खिलाफ जंग उस पैमाने पर नहीं हो रही है, जैसी होनी चाहिए। इस मामले में भारत अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश से कुछ सबक ले सकता है, जिसने हल्दी में लेड की मिलावट पर काबू पा लिया। मिलावटखोर हल्दी की चमक बढ़ाने के लिए लेड का इस्तेमाल करते हैं और यह समस्या पूरे दक्षिण एशिया की है।

मिलावट सबसे बड़ा खतरा है। मारने वाला कितनों को मारेगा? एक आतंकवादी स्वचालित हथियार से या बम ब्लास्ट कर अधिक से अधिक सौ दो सौ को मार देता है। लेकिन खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाला हिंसक एवं दरिंदा तो न जाने कितनों को मृत्यु की नींद सुलाता है, कितनों को अपंग और अपाहिज बनाता है। इन हिंसक, क्रूर एवं मुलाफाखोरों पर लगाम न लगने की एक वजह यह भी है कि ऐसा करने वालों को लगता है, इससे होने वाले मुनाफे की तुलना में मिलने वाली सजा बहुत कम है। जाहिर है, सजा कड़ी करने के साथ ही यह भी पक्का करना होगा कि दोषी किसी तरह से बच न निकलें। यही नहीं, लोगों को पता होना चाहिए कि मिलावट की शिकायत कहां करनी है। हमारे प्रयासों में कमी न रहे, तभी यह काला धंधा रुक सकेगा।

कारोबार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण मिलावट हर जगह देखने को मिलती है। कहीं दूध में पानी की मिलावट होती है, तो कहीं मसालों में रंगों की। दूध, चाय, चीनी, दाल, अनाज, हल्दी, फल, आटा, तेल, घी आदि ऐसी तमाम तरह की घरेलू उपयोग की वस्तुओं में मिलावट की जा रही है। यानी, पूरे पैसे खर्च करके भी हमें शुद्ध खाने का सामान नहीं मिल पाता है। मिलावट इतनी सफाई से होती है कि असली खाद्य पदार्थ और मिलावटी खाद्य पदार्थ में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। जीवन मूल्यहीन और दिशाहीन हो रहा है। हमारी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता और अविश्वास के चक्रव्यूह में जीवन मानो कैद हो गया है। घी के नाम पर चर्बी, मक्खन की जगह मार्गरीन, आटे में सेलखड़ी का पाउडर, हल्दी में पीली मिट्टी, काली मिर्च में पपीते के बीज, कटी हुई सुपारी में कटे हुए छुहारे की गुठलियां मिलाकर बेची जा रही हैं। दूध में मिलावट का कोई अंत नहीं। नकली मावा बिकना तो आम बात है। राजस्थान और गुजरात में चल रहा नकली जीरे का कारोबार अब दिल्ली एवं देश के अन्य हिस्सो तक पहुंच गया है। दिल्ली में पहली बार पकड़ी गई नकली जीरे की खेप ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है?

मिलावट के कारण हम एक बीमार समाज का निर्माण कर रहे हैं। शरीर से रुग्ण, जीर्ण-शीर्ण मनुष्य क्या सोच सकता है और क्या कर सकता है? क्या मिलावटखोर परोक्ष रूप से जनजीवन की सामूहिक हत्या का षड्यंत्र नहीं कर रहे? हत्यारों की तरह उन्हें भी अपराधी मानकर दंड देना अनिवार्य होना चाहिए। मिलावट एक ऐसा खलनायक है, हत्यारी प्रवृत्ति है, जिसकी अनदेखी जानलेवा साबित हो रही है। चाहे प्रचलित खाद्य सामग्रियों की निम्न गुणवत्ता या उनके जहरीले होने का मततब इंसानों की मौत भले ही हो, पर कुछ व्यापारियों एवं सरकारी अधिकारियों के लिए शायद यह अपनी थैली भर लेने का एक मौका भर है। त्यौहारों पर मिलावटी मिठाइयां खाने से अपच, उलटी, दस्त, सिरदर्द, कमजोरी और बेचैनी की शिकायते सुनने में आती रही है। इससे किडनी पर बुरा असर पड़ता है। पेट और खाने की नली में कैंसर की आशंका भी रहती है।

खाद्य उत्पाद विनियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 2006 के खाद्य सुरक्षा और मानक कानून में कड़े प्रावधान की सिफारिश की थी। कानून को सिंगापुर के सेल्स आफ फूड एक्ट कानून की तर्ज पर बनाया गया जो मिलावट को गम्भीर अपराध मानता है। फूड इंस्पेक्टरों का दायित्व है कि वह बाजार में समय-समय पर सैम्पल एकत्रित कर जांच करवाएं लेकिन जब सबकी 'मंथली इन्कम' तय हो तो फिर जांच कौन करे? हालत यह है कि बाजारों में धूल-धक्कड़ के बीच घोर अस्वास्थ्यकर माहौल में खाद्य सामग्रियां बेची जा रही है। सीएजी ऑडिट के दौरान जो तथ्य उजागर हुए हैं, वे भ्रष्टाचार को तो सामने लाते ही है साथ-ही-साथ प्रशासनिक लापरवाही को भी प्रस्तुत करते हैं। देश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने का काम करने वाली सरकारी एजेन्सी की दशा कितनी दयनीय है और वहां कितनी लापरवाही बरती जा रही है, सहज अनुमान लगाया जा सकता है। हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध खाद्य पदार्थ हासिल करना हमारा मौलिक हक है और यह सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले।

विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने लाइन में खड़े होकर परिजनों संग किया मतदान

बैतूल। बैतूल विधायक व प्रदेश लोकसभा चुनाव संयोजक हेमंत खण्डेलवाल ने प्रातः 8 बजे न्यू बैतूल स्कूल कोठीबाजार स्थित मतदान केन्द्र पहुँचकर मतदान केंद्र पर मतदाताओं की लंबी लाइन में खड़े होकर परिजनो के साथ मतदान किया। श्री खण्डेलवाल के साथ उनकी माताजी कांतिदेवी खण्डेलवाल, भाई मुकेश खण्डेलवाल, पत्नि ऋतु खण्डेलवाल, भाभी किरण खण्डेलवाल, पुत्र वरद खण्डेलवाल, भतीजे पल्लव खण्डेलवाल ने मतदान किया। आमला पहुंचकर विधायक दा. योगेश पंडाग्रे ने भी पत्नी मंजु पंडाग्रे के साथ मतदान किया। उन्होंने कहा कि सभी लोग उत्साहित होकर वोट का उपयोग किया है।

सांसद व भाजपा प्रत्याशी रामू टेकाम ने परिजनों संग किया मतदान

बैतूल हरदा हरसूद लोकसभा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी सांसद दुर्गादास उइके ने आज सबसे पहले केरपानी जाकर हनुमानजी की पूजा अर्चना की तथा घर में हवन- पूजन किया। उसके बाद मतदान केंद्र पर जाकर परिवार के साथ मतदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उनके पिछले पांच वर्ष के कार्यकाल में जनता की तन मन से सेवा में रहे है, अब जनता जनार्दन के ऊपर निर्भर करता है कि 2024 के चुनाव में किस तरह का वे अपना आशीर्वाद देते है, आने वाले समय में हमारी लोकसभा, शिक्षा का हब बनेगी, यहा मेडिकल कालेज तो हो चुका है।

कांग्रेस सांसद प्रत्याशी रामू टेकाम ने परिजनों संग किया मतदान

बैतूल हरदा हरसूद लोकसभा संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस सांसद प्रत्याशी रामू टेकाम प्रातः सर्वप्रथम अपने माता-पिता, अपनी धर्मपत्नी व परिवार के साथ मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने गृह ग्राम सावलमेंढा के मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। इस बीच रामू टेकाम ने बैतूल हरदा हरसूद लोकसभा संसदीय क्षेत्र की आम जन से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की।

बैतूल में 100 वर्ष की वृद्धा गाजे- बाजे के साथ पहुँची मतदान करने, उम्र में त्रुटि के कारण घर पर नहीं हो सका था मतदान

बैतूल। निर्वाचन आयोग की त्रुटि के कारण 100 वर्ष की वृद्धा की उम्र 80 वर्ष की बताई गई थी। जिसके कारण वृद्धा घर पर मतदान नहीं कर सकी। घर पर मतदान नहीं होने पर परिजनों ने वृद्धा को मतदान के लिए गाजे-बाजे के साथ मतदान केन्द्र पर ले जाया गया और मतदान कराया। गाजे-बाजे के साथ मतदान केन्द्र पर वृद्धा को ले जाते देख हर कोई हैरान था। जानकारी के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. बृजलाल भाटिया की पत्नी शकुंतला भाटिया घर पर मतदान करने से वंचित रह गई। मंगलवार को सुबह जब लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान शुरू हुआ, तो श्रीमती भाटिया को परिजन गाजे-बाजे के साथ टैगोर वार्ड स्थित मतदान केंद्र पर मतदान के लिए लेकर गए। बताया जा रहा है कि भगत सिंह वार्ड से गाजे-बाजे के साथ वृद्धा को वोटिंग बूथ तक लेकर गए और मतदान करवाया। बताया जा रहा है कि शकुंतला भाटिया की उम्र मतदाता परिचय पत्र में 83 वर्ष है। जन्मतिथि अपडेट नहीं होने के कारण बुजुर्ग घर से मतदान नहीं कर पाई। परिजनों ने घर से मतदान करने के लिए आवेदन किया था लेकिन चुनाव आयोग ने घर से मतदान के नियमों में नहीं आने की बात कहकर मतदान नहीं करवाया। शकुनतला भाटिया के पुत्र रमेश भाटिया ने बताया कि मां की उम्र के संबंध में जानकारी अधिकारियों को दे दी गई थी, लेकिन उन्होंने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। मां ने कहा कि वह मतदान करने के लिए जरूर जाएंगी। इसलिए परिजनों ने मां को व्हीलचेयर पर बैठाकर गाजे-बाजे के साथ मतदान करवाने के लिए मतदान केन्द्र लेकर गए थे। वृद्धा के पुत्र श्री भाटिया ने बताया कि उनकी मां की उम्र 100 वर्ष, 4 महीने की हो गई है।

जिले में मतदान का ट्रेंड..अच्छे मतदान की ओर बढ़ रहा बैतूल : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी परिवार के साथ मतदान केंद्र पहुंचे और मतदान किया। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा जिले के लोगों में मतदान का ट्रेंड है। जिला अच्छे मतदान की तरफ बढ़ रहा है।मतदाताओं में मतदान के लिए उत्साह है।

40 साल से बरकरार है सुनील के नाम सबसे पहले मतदान का रिकॉर्ड

लोगों को मतदान के लिए भी करते है प्रेरित

बैतूल। सुनील सोनी, जो वोट डालने के मिले मताधिकार के बाद से अभी तक के हर चुनाव में अपने मतदान केंद्र पर सुबह सबसे पहले पहुंचकर वोट डालने में सफल होते आ रहे है। आज हुए मतदान में उन्होंने सबसे पहले वोट डालकर 40 साल से बनी परंपरा को बरकरार रखने में सफल हुए है। पेशे से व्यापारी सुनील के पास नगरपालिका के पास बैग बेचने की छोटी सी दुकान है। 58 वर्ष के पड़ाव पर पहुंच चुके सुनील एक एक वोट का महत्व समझते है,इसलिए वे हर काम बाद में सबसे पहले वोट डालने में ज्यादा भरोसा करते है। इसी के चलते आज मंगलवार को न्यू बैतूल स्कूल परिसर में लोक सभा चुनाव को लेकर बनाए मतदान केंद्र पर निर्धारित समय सुबह सात बजे से कुछ समय पहले पहुंच कर मतदान करने के लिए लगने वाली कतार में पहले नंबर पर खड़े होकर मतदान शुरू होने का इंतजार करते रहे। सात बजते ही सबसे पहले मतदान कर एक समझदार नागरिक होने का परिचय दिया। करीब चार दशक से चाहे नगर पालिका का चुनाव हो,या विधानसभा या लोकसभा का चुनाव, पहला वोट डालने की परंपरा को बरकरार रखने में वे सफल होते हैं। सुनील बताते है कि हर मतदाता को अपने एक वोट का महत्व इससे समझ लेना चाहिए कि एक वोट से कई प्रत्याशी चुनाव हार जाते है वही एक वोट से प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की सरकार गिर गई थी। चुनाव आयोग से लेकर जिला प्रशासन भी अधिक से अधिक मतदान कराने के लिए मतदाताओं को प्रेरित करता है। इसलिए जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने कर्तव्य का पालन करते हुए वे परिवार के अलावा पड़ोसियों,मित्रो और रिश्तेदारो को मतदान अवश्य करने का अनुरोध भी करते है।

कांग्रेस ने की प्रशासन से शिकायत

बैतूल। कांग्रेस जिला महामंत्री विश्वास दीक्षित का आरोप है कि अर्जुन नगर बैतूल में भाजपा कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के चित्र वाली जैकेट पहनकर मतदाताओं को भ्रमित कर रहे हैं, गुंडागर्दी कर रहे है और प्रशासन उनके साथ दे रहा है। सूचना मिलने पर जिला अध्यक्ष हेमंत वागद्रे के साथ वे यहां पहुंचे हैं और प्रशासन को इसकी सूचना दी है।

वोटिंग मशीन में कई जगह तकनीकी खराबी आने से मतदान रुका, मतदाता होते रहे परेशान

बैतूल। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आज मंगलवार सुबह 7 से मतदान शुरू हो गया है। सुबह से ही मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला है। कई मतदान केंद्रों पर मतदान करने के लिए लंबी लाइन लग गई है। कुछ मतदान केंद्रों पर वोटिंग मशीन में तकनीकी खराबी आने के कारण मतदान रुकने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक बैतूल मुख्यालय के कृष्णपुरा वार्ड टिकरी के मतदान क्रमांक 77 पर दो-तीन लोगों के मतदान करने के बाद मशीन में तकनीकी खराबी आ गई। लगभग आधे घंटे तक मतदान रुका रहा। हालांकि इसके बाद मतदान शुरू हो गया। शहर के ही विनोबा वार्ड स्थित बूथ क्रमांक 126 मशीन में तकनीकी खराबी आने के कारण मतदान रुक गया। इसकी जानकारी एसडीएम को दी गई समाचार लिखे जाने तक या मतदान शुरू नहीं हो सका था। जिले के और भी मतदान केंद्रों पर मशीन में तकनीकी खराबी के कारण मतदान रुकने की जानकारी सामने आई है।

पोलिंग बूथ पर तैनात दो कर्मचारियों की हालत बिगड़ी

बैतूल। लोकसभा के लिए हो रहे मतदान में मुलताई विधानसभा क्षेत्र के ब्राह्मणवाडा एवं दातोरा, पोलिंग बूथ पर तैनात पी 2,पी3 दो कर्मचारियों की हालत अचानक बिगड़ गई दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई में उपचार के लिए लाया गया है। ब्राह्मणवाडा पोलिंग बूथ पर तैनात हेमराज मकोड़े का स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया उन्हें मुलताई स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है। इसके अलावा दातोरा पोलिंग बूथ पर तैनात दामजीपुरा स्कूल में भ्रत्य के पद पर पदस्थ गिरधारीलाल यादव दातोरा पोलिंग बूथ पर पी 3 कर्मचारियों के रूप में ड्यूटी कर रहे थे।

52 किलो गांजा किया बरामद

बैतूल। बैतूल बाजार के पास मिलानपुर टोल प्लाजा पर एनसीबी और बैतूलबाजार पुलिस ने एक कंटेनर से 52 किलो गांजा बरामद किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कंटेनर क्रमांक - एमपी 09 एचजे 9124 में गांजा की तस्करी की जा रही थी, जिसकी सूचना पर नार्कोटिस्क कंट्रोल ब्यूरो इंदौर एवं बैतूलबाजार पुलिस ने मिलानपुर टोल नाके पर कंटेनर को रोककर तलाशी की, तो इसमें 50 पैकेट गांजा से भरे मिले। इनका वजन 52 किलो था। कंटनेर चालक को हिरासत में लेकर खबर लिखे जाने तक पूछताछ की जा रही है। यह गांजा उड़ीसा से सीहोर जिले ले जाया जा रहा था।

आनापान ध्यान पर आधारित त्रि-दिवसीय ध्यान शिविर संपन्न

शिविर में पिरामिड स्पिरिचुअल सोसायटी मूवमेंट इंदौर की महिलाओं ने की सहभागिता

बैतूल। ताप्ती पिरामिड केन्द्र ताप्ती घाट, खेड़ी में तीन दिवसीय निःशुल्क आनापान ध्यान शिविर का आयोजन 4 मई से 6 मई के बीच संपन्न हुआ। जिसमें इंदौर एवं बैतूल जिले से लगभग 75 ध्यानियों ने भाग लिया। गौतम बुद्ध द्वारा दी गयी आनापान ध्यान विधि, जिसमें ध्यानी 40-45 मिनट या इससे अधिक 60 मिनट तक आंखें बंद कर बैठकर अपनी आती जाती स्वांस को देखते हुए आनापान ध्यान करता है, अनापान आत्मनिरीक्षण द्वारा आत्मशुद्धि की अत्यंत पुरातन साधना-विधि है। जो जैसा है, उसे ठीक, वैसा ही देखना-समझना आनापान ध्यान है। लगभग 2500 वर्ष पूर्व भगवान गौतम बुद्ध ने विलुप्त हुई इस पद्धति का पुन अनुसंधान कर इसे सार्वजनिक रोग के सार्वजनिक इलाज, जीवन जीने की कला के रूप में सर्वसुलभ बनाया।

रामायण के अनुसरण से विश्व में आज भी रामराज्य साकार हो सकता है: पं निर्मल कुमार शुक्ल

राम राज्याभिषेक के साथ 9 दिवसीय संगीतमय राम कथा महोत्सव का गरिमापूर्ण समापन

बैतूल। टैगोर वार्ड में राजा ठाकुर के निवास पर चल रहे राम कथा महोत्सव का आज विधिवत समापन हो गया।9 दिनों तक मानस महारथी पं निर्मल कुमार शुक्ल जी ने राम चरित मानस के 84 प्रसंगों पर प्रकाश डाला।आज विश्राम दिवस में महाराज श्री ने सुंदरकाण्ड में वर्णित हनुमान चरित्र लंका दहन रावण कुंभकर्ण मेघनाद वध आदि कथाओं का निरूपण किया। राम राज्य की चर्चा करते हुए आप ने कहा कि भगवान श्री राम का राज्य संपूर्ण विश्व का आदर्श राज्य है।आज जब आदर्श राजा की चर्चा उठती है तो भगवान राम का नाम ही सर्वोपरि रहता है। राम राज्य बहुमत से नहीं बल्कि सर्व मत से चलता है । भगवान राम ने एक धोबी के कहने मात्र से अपनी प्राणप्रिया सीता का परित्याग कर दिया और जीवन भर वियोग की अग्नि में झुलसते रहे।उस समय यदि राम चाहते तो धोबी के ऊपर राजद्रोह का अभियोग लगाकर उसे प्राणदंड भी दे सकते थे। अपनी प्रजा के रंजन के लिए भगवान श्री राम ने स्वयं जहर पीना स्वीकार किया अगर राजदंड द्वारा उस समय उसे दंड दिया गया होता तो उसका दुष्परिणाम यह होता कि समाज में चोरी छिपे राम विरोधी वातावरण का निर्माण होता और धोबी सहानुभूति का पात्र बन जाता। महराज श्री ने कहा कि राम राज्य में कोई दीन दुखी नहीं था कोई अशिक्षित नहीं था सब परस्पर प्रेम करते थे बादल लोगों के मांगने पर जल बरसाते थे।राम राज्य में स्त्रियां पूर्णत पतिव्रता धर्म का पालन करती थीं। राम के पूर्व इस वंश के राजा अनेकों विवाह करते थे यहां तक कि राजा दशरथ ने भी 3 विवाह किया था किन्तु भगवान राम ने ऐसा नियम बनाए कि हर पुरुष भी स्त्री व्रत का पालन करता था। दोनों पति-पत्नी एक दूसरे के प्रति समर्पित रहते थे। राम राज्य में शत प्रतिशत साक्षरता थी।दंड नामक वस्तु केवल संन्यासियों के पास दंड या त्रिदंड के रूप में मिलती थी इसलिए न किसी का किसी से वैर विरोध था कोर्ट कचहरी समाप्त हो गये थे। राजा ठाकुर और अरुण सिंह किलेदार ने महराज श्री का स्वागत किया सभी श्रोताओं ने ग्रंथ पूजन किया।सामस्त किलेदार व परिहार परिवार ने विशाल संख्या में पधारे हुए श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

लोणारी कुनबी समाज महिला संगठन की नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

निष्ठा पूर्वक कार्य कर समाज को प्रगति की ओर ले जाने का लिया संकल्प

बैतूल। आमची माती, आमची संस्कृति लोणारी कुनबी भगिनी समिति के तत्वाधान में लोणारी कुनबी समाज महिला संगठन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। सांस्कृतिक मंगल भवन में आयोजित गरिमामई कार्यक्रम में चंद्रकांता आई लिखितकर, माधुरी ताई साबले, प्रभाताई वागद्रे, जयाताई मानकर, कल्पना ताई धोटे, लताताई देशमुख, चंद्रकला ताई गावंडे , संगीता ताई घोड़की ने दीप प्रज्जवलित कर, कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद संरक्षक बहनों को मंचासीन कर पूर्व कार्यकारिणी द्वारा बैच एवं शाल से उनका सम्मान किया गया। कल्पना ताई धोटे की गणेश वंदना के बाद निवर्तमान कार्यकारिणी में पूर्व अध्यक्ष रेखा बारस्कर, पूर्व उपाध्यक्ष जमुना पंडागरे, पूर्व सचिव अलका खंडागरे, पूर्व कोषाध्यक्ष लता कनाठे, पूर्व सह उपाध्यक्ष वंदना काले, पूर्व सहसचिव नीलम वागद्रे, पूर्व सह कोषाध्यक्ष मनीषा कनाठे, पूर्व संयुक्त सचिव कल्पना चढ़ोकर को विदाई देकर 2 वर्ष के कार्यकाल की प्रशंसा की गई।जिला अध्यक्ष दिनेश मस्की, सचिव प्रवीण ठाकरे की उपस्थिति में मंगल भवन में पूजन हेतु मंदिर भेंट कर उन्हें सौंपा गया।

कार्यकारिणी में यह हुई शामिल: निर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष सिद्धलता महाले, उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता देशमुख, सचिव श्रीमती ज्योति बारस्कर, कोषाध्यक्ष वंदना पंडाग्रे, सह उपाध्यक्ष संगीता चढोकर, सह सचिव अलका वागद्रे, सह कोषाध्यक्ष दीपिका वागद्रे, संयुक्त सचिव दुर्गा दवंडे ने शपथ ग्रहण कर निष्ठापूर्वक कार्य करके समाज को प्रगति की ओर ले जाने का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम का सफल संचालन मधुबाला देशमुख ने किया।

बैतूल में 75 प्रतिशत से अधिक हुआ मतदान

संजय द्विवेदी, बैतूल। संसदीय क्षेत्र के लिए मंगलवार को तीसरे चरण में वोटों की आहुतियां डाली गई है। मंगलवार 7 मई को तापमान 41 डिग्री के पार होने के बावजूद मतदाताओं का वोट डालने के प्रति रुझान कम नहीं दिखा। इतना जरूर है कि ग्रामीण अंचलों के मतदान केंद्रों पर दोपहर में सन्नाटा पसरा था लेकिन सुबह यहां दो घंटे वोट डालने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अपने वोटों का महत्व समझते हुए न सिर्फ शहरी बल्कि ग्रामीण अंचलों में अच्छा मतदान हुआ। बैतूल जिले के 1581 मतदान केंद्रों में से 1580 केंद्रों पर शाम 6 बजे तक 75 प्रतिशत से ज्यादा मतदान होने के समाचार हैं। लिहाजा इस बार संसदीय क्षेत्र में पिछली बार से वोट प्रतिशत गिरने की संभावना दिखाई दे रही है। बैतूल विधानसभा के बडोना ग्राम में लोगों ने गांव की समस्याओं को लेकर मतदान के बहिष्कार की बात कही, वहां पर कुल 693 मतदाताओं में से मात्र 19 ने ही मतदान किया। सुबह मतदान केंद्र पर जाकर ग्रामवासियों ने मतदान प्रक्रिया का बहिष्कार किया। बाद में समजाइश पर मात्र 19 ने ही मतदान किया। मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी में लोकतंत्र पर्व की आहुति देने हेतु जिले के 1581 मतदान केंद्रों के लोगों ने इस बार काफी जागरूकता दिखाई है। सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होते ही लोग सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो, का नारा बुलंद करते हुए मतदान केंद्र पहुंचे। चूंकि सुबह तापमान कम होने के कारण मतदान केंद्रों पर जबरदस्त भीड़ देखी गई। संसदीय क्षेत्र के आमला, बैतूल, भैंसदेही, घोड़ाडोंगरी, हरदा, हरसूद, टिमरनी, मुलताई में सुबह के दो घंटे बंपर मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग के आंकड़े बताते हैं कि संसदीय क्षेत्र में सुबह के दो घंटे में करीब 16 प्रतिशत और अगले दो घंटे में 11 बजे तक 32.65 प्रतिशत मतदान हो गया। इसके बाद दोपहर 11 से 1 बजे तक केवल 14 प्रतिशत मतदान में बढ़ोत्तरी हुई। इस दौरान धूप-गर्मी अधिक होने से कुछ मतदान केंद्र सूने थे, लेकिन फिर शाम को मतदाता , मतदान के लिए रुचि दिखाते रहे। जानकारी अनुसार शाम 6 बजे तक बैतूल संसदीय क्षेत्र के मुलताई विधानसभा क्षेत्र में 73.14, आमला 72.12, बैतूल 71.92, घोड़ाडोंगरी 78.94, भैंसदेही 81.31, इस तरह बैतूल जिले में 75.52 प्रतिशत मतदान हुआ।

वीवीपैट में खराबी से 1 घंटे रुका मतदान: हरदा जिले की टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छिदगांव मेल की वीवीपैट मशीन में आई तकनीकी प्राब्लम के चलते एक घंटे तक मतदान रुका रहा। फिर मशीन को बदलने के बाद वहां वोटिंग शुरू हो सकी। संसदीय क्षेत्र के किसी भी पोलिंग बूथ से किसी भी अप्रिय घटना के समाचार नहीं हैं।

बैतूल में खराब हुई ईवीएम- बैतूल जिले की आमला विधानसभा के ब्राह्मण वाडा, मोरडोंगरी, वहीं बैतूल विधानसभा में दो और भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र में तीन स्थानों पर ईवीएम खराब हो गई थी, इसके बाद मशीनें बदली गई। वहीं बैतूल के विनोबा वार्ड के बूथ नंबर 126 में मशीन अचानक बंद होने पर एसडीएम को सूचना दी गई। इसके चलते वहां आधा घंटे तक मतदान बंद रहा।

मतदान को लेकर चौपाटी बंद- मतदान को लेकर चौपाटी तीन दिन बंद रहेगी। बताया जा रहा है कि मतदान से कोई मतदाता वंचित ना रहे, इसको लेकर नगर पालिका के द्वारा चौपाटी पर दुकान संचालित करने वाले संचालकों को 6, 7 और 8 मई को चौपाटी बंद रखने के निर्देश दिए थे।

हर बूथ पर ताकत झोंके कार्यकर्ता: वीडी शर्मा

खरगोन। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को खरगोन में लोकसभा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऐतिहासिक बहुमत से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है, इसके लिए हमें हर बूथ को अच्छे मतों से जीतना है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने और 2047 तक भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कार्य कर रहे हैं। भाजपा के खरगोन लोकसभा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह पटेल को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने के लिए भाजपा कार्यकता हर मतदाता के घर जाकर एक बार फिर संपर्क करें और मतदान करने की अपील करें। पार्टी प्रत्याशी बड़े अंतर से विजयी हों, इसके लिए कार्यकर्ता अपनी संपूर्ण ताकत चुनाव प्रचार के अंतिम चार दिनों में झोंक दें। खरगोन लोकसभा के लिए 13 मई को मतदान होना है। चुनाव प्रचार के लिए सिर्फ चार दिन का ही समय बचा है। ऐसे में आप सभी देवतुल्य कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशी बनकर हर बूथ के हर मतदाता से घर-घर जाकर संपर्क करें और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते दस वर्षों में किए गए विकास, गरीब कल्याण और जनहितैषी कार्यों के साथ लाभार्थी योजनाएं जनता को बताकर भाजपा को वोट देने की अपील करें।

बाल विवाह की सूचना देने कंट्रोल रूम स्थापित

नरसिंहपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार 10 मई को अक्षय तृतीया के अवसर पर होने वाले बाल विवाह हेतु सूचना प्रदान करने के लिए वन स्टाप सेंटर नरसिंहपुर के कार्यालय में 8 मई से 10 मई तक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07792- 2350042 है। उक्त कंट्रोल रूम में बाल विवाह से संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत कार्यवाही के लिए संबंधित बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी को सूचित किया जायेगा।उक्त कंट्रोल रूम के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर दायित्व सौंपे हैं। जारी आदेश के अनुसार पर्यवेक्षक वन स्टाप सेंटर श्रीमती शशि किरण श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वे वन स्टाप सेंटर के स्टाफ की सहायता से कंट्रोल रूम का संचालन करेंगी। कंट्रोल रूम में प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक सामाजिक कार्यकर्ता डीसीपीयू श्री अम्रता दुबे, अपरान्ह 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक सामाजिक कार्यकर्ता डीसीपीयू श्री प्रवीण डेहरिया और रात्रि 12 बजे से प्रातः 8 बजे तक आउटरीच वर्कर डीसीपीयू श्री अंकुर नेमा को कंट्रोल रूम संचालन में सहयोग के लिए ड्यूटी लगाई गई है।

पुस्तक मेले का आयोजन 8 मई को

नरसिंहपुर। राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार व कलेक्टर के मार्गदर्शन में पुस्तक मेले का आयोजन 8 मई को सुबह 11 बजे से एमएलबी स्कूल नरसिंहपुर में किया जायेगा। एपीसी श्री यजुवेंद्र सिलावट ने बताया कि नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में क्रय किये जाने वाले पुस्तकें, यूनिफार्म, कॉपी, स्टेशनरी आदि उचित मूल्य पर सुलभ हो। प्रत्येक जिले में एक उपयुक्त स्थान पर तीन दिवसीय पुस्तक मेला यथाशीघ्र आयोजित किया जाये। मेले में पुस्तकों के प्रकाशकों, स्थानीय पुस्तक एवं स्टेशनरी विक्रेताओं सह शैक्षणिक सामग्री तथा यूनिफार्म विक्रेताओं को आमंत्रित किया जाये। पुस्तक मेले में उपरोक्त सामग्रियों की उपलब्धता के बारे में अभिभावकों एवं छात्रों को सूचित किया जाये। लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिए वर्तमान में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। अतः इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

निःशुल्क प्याऊ का शुभारंभ

नरसिंहपुर। भारत विकास परिषद शाखा नरसिंहपुर द्वारा निःशुल्क प्याऊ का शुभारंभ सुनील कोठारी भारत विकास परिषद रीजनल अध्यक्ष और साथ में वरिष्ठ समाज सेवी आर के भट्ट द्वारा रिबन काट कर पोस्ट ऑफिस नरसिंहपुर के सामने किया गया जिसमें शाखा नरसिंहपुर के अध्यक्ष श्री शिरीष पुरोहित पूर्व अध्यक्ष अनिल राजपूत श्री सोमराज कोरी कोषाध्यक्ष कुलदीप सिंह सलूजा संजय राय निर्भय राम साहू कमलेश नेमा, नितिन नेमा आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।

कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत ऑनलाइन ई प्रवेश की दी जानकारी

नरसिंहपुर। उच्च शिक्षा विभाग में सत्र 2024.25 के लिए ऑनलाइन ई.प्रवेश की प्रकिया दिनांक 1 मई से प्रारम्भ हो चुकी है। महाविद्यालयों व विद्यालयों में विद्यार्थियों के अधिक से अधिक प्रवेश हेतु निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत गठित दल में संयोजक डॉ दिव्या पटेलए सदस्य सुश्री इंदु सिंह व रीतेश अग्रवाल ने हायर सेकेंडरी स्कूलों में जाकर संबंधित विद्यालय के प्राचार्यों को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों व प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही सभी प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को आगामी 9 एवं मई 17 को सुबह 11 बजे से महाविद्यालय के वर्चुअल कक्ष में विषय चयन हेतु आयोजित होने जा रहे जागरूकता सेमिनार की जानकारी से भी अवगत करवाया। हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े और वे विषय चयन के लिए सही जानकारी से अवगत हों इसलिए उनको जागरूक करने सेमिनार आयोजित किया जा रहा है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग का यह कैसा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर..?

क्या सिर्फ हॉकी टर्फ मैदान के भरोसे..??

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

प्रदेश के साथ ही यहां भी शैक्षणिक संस्थाओं में ग्रीष्मकालीन छुट्टियां हो गई.. ग्रीष्म कालीन अवकाश में बच्चों में खेल के प्रति रुचि पैदा हो सरकार इस पर बड़ा ध्यान देती है। प्रशासनिक स्तर से बड़े पैमाने पर खेल प्रशिक्षण के नाम पर इन दिनों तमाम शिविर लगाए जाते हैं। लेकिन इन शिविरों से क्या सरकार की खेलों के प्रति मंशा का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो पाता है..? या यह केवल शिविर लगाने तक सीमित होते है ..? यह सवाल इसलिए क्योंकि ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के पास हांकी टर्फ मैदान के अतिरिक्त एक भी मैदान स्वयं के स्वामित्व का नहीं और ना ही स्वयं के संसाधन उसके पास है। प्रशासनिक स्तर पर फिर खेल को लेकर इतनी चिंता क्यों..? मुख्यालय पर जितने भी खेल चल रहे हैं देखा जाए तो वे व्यक्तिगत चल रहें हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग तो शिविर आयोजित कर रुमाल रखकर प्रतियोगिता अपनी बतलाकर खानापूर्ति करता है। यहां डॉल्फिन अकादमी तक में बैडमिंटन और बैडमिंटन का प्रशिक्षण पूरे वर्ष प्रतिमाह शुल्क के हिसाब से चलता है और ऐसी ही तैराकी प्रशिक्षण..? जबकि नर्मदा घाट पर वरिष्ठ तैराकी खिलाड़ियों द्वारा निःशुल्क तैराकी का प्रशिक्षण दिया जाता है। सिर्फ हॉकी एक ऐसा खेल है जिसे खेल एवं युवा कल्याण विभाग आयोजित करता है बाकी सब खेल प्राइवेट क्लब के भरोसे चल रहें हैं। आज ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर लगाने कलेक्ट्रेट में विभाग ने बैठक आयोजित की उसे यदि खानापूर्ति कहा जाएं तो गलत नहीं होगा। समाचार पत्रों के लिए यह एक खबर हो सकती है लेकिन खेल और खिलाड़ी सहित सरकार की भावनाओं के अनुरूप विभाग की इसमें भागीदारी कितनी.. ? जिसमें एसएनजी स्टेडियम की मरम्मत के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने वर्ष 99-2000 में प्रबंधक नर्मदा शिक्षा समिति को दो लाख रुपए अनुदान राशि देकर कार्य ऐजेंसी बनाया था और बाद में पुलिस अधीक्षक ने शासन द्वारा दिए गए अनुदानों के विरुद्ध वसूली कार्यवाही के लिए 16/9/2005 में तहसीलदार को पत्र जारी किया था। ना तो शासन की राशि पुलिस अधीक्षक आज तक वसूल करवा सके न खेल एवं युवा कल्याण विभाग एसएनजी स्टेडियम अपने कब्जे में ले सका। खिलाड़ीयों की धरोहर नगर में आज लावारिस पहचान रखती है जिस पर कलेक्टर नवाचार करवाते हैं। फिर गुप्ता ग्रांउड पर जब-तब मेला आयोजन होता उधर मल्टीपरपज स्कूल के खेल मैदान पर छात्रावास बनाकर मैदान का सत्यानाश कर दिया, अधिकांश निजी स्कूलों में खेल मैदान नहीं ऐसे में खेल को लेकर केवल ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाना कहीं खेल एवं युवा कल्याण विभाग में नौकरी बचाना तो नहीं..?

शाहगंज के जंगल में मिला इटारसी से चोरी हुआ ट्रक

3 दिन पहले चोरी हुआ था, आरोपी को तलाश रही पुलिस

नर्मदापुरम,निप्र। नर्मदापुरम जिले के इटारसी में कृषि उपज मंडी खेड़ा क्षेत्र से रहस्मयरूप से चोरी हुआ गेहूं से भरा ट्रक शाहगंज के जंगल में लावारिस तरह से खड़े मिला। लेकिन ट्रक में न ड्राइवर मिला और न चुराने वाला व्यक्ति। इटारसी पुलिस ने सीहोर जिले के शाहगंज-भोपाल रोड पर खटपुरा के पास जंगल से ट्रक को बरामद किया। ट्रक 3 मई की रात्रि में रहस्यमय ढंग से चोरी हुआ था। पुलिस ने ट्रक चोरी होने की घटना को अपने लिए चुनौती माना और 3 दिन में ही ट्रक को तलाश लिया। ट्रक और उसका अनाज तो सही सलामत मिल गया है मगर ट्रक को चुराने वाले के बारे पुलिस कुछ पता नहीं लगा सकी है। पुलिस जांच करने का तर्क दे रही। सिटी थाना टीआई गौरव बुंदेला ने बताया ट्रक गोयल ट्रांसपोर्ट कंपनी का है। जिसमें 25 टन गेंहू भरा हुआ था। गेहूं सरकारी था। जिसकी कीमत 6 लाख रुपए है। ट्रक 16 लाख रुपए का है। ट्रक चोरी होने की सूचना मिलते ही तीन टीम बनाई गई। टीम ने सीहोर, भोपाल के साथ अन्य जिलों में ट्रक की खोजबीन की गई। गेहूं से भरा ट्रक आज टीम को खटपुरा के पास जंगल में घाट क्षेत्र में मिला। पुलिस चोरी करने वाले आरोपी की तलाश कर रही है।

कलेक्टर ने किया निःशुल्क जेईई व नीट कक्षाओं का शुभारंभ

नरसिंहपुर। उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मुख्य आतिथ्य में निःशुल्क जेईई व नीट कक्षाओं का शुभारंभ मंगलवार को मां सरस्वती पूजन व दीप प्रज्जवलन कर किया। जेईई व नीट की कक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को अलग- अलग विषयों के लिए नियुक्त विषय- विशेषज्ञों द्वारा 8 मई से प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.25 बजे तक आयोजित की जायेंगी।कलेक्टर श्रीमती पटले ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं को तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया।विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद सीईओ जिला पंचायत नरसिंहपुर श्री दलीप कुमार ने कहा कि जो विद्यार्थी इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए शहर से बाहर नहीं जा पाते हैं, उनके लिए यह महत्वपूर्ण प्लेटफार्म है और उनके उज्जवल भविष्य मे सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने गणित विषय के मापांक, फलन व अनामिका की अवधारणा को बहुत रोचक ढंग से विद्यार्थियों को पढ़ाया। सहायक कलेक्टर श्री शुभम यादव ने विद्यार्थियों को पढ़ने के साथ- साथ खेल गतिविधियों मे रूचि लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ्य शरीर से स्वस्थ्य मस्तिष्क निवास करता है।जिला शिक्षा अधिकारी श्री एचपी कुर्मी ने नवाचार की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों के कैरियर को गति देने के लिए मील का पत्थर बताया।

प्राचार्य श्री आरके श्रीवास्तव ने निशुल्क कक्षाओं की रूपरेखा से बताई। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रशांत पटैरिया व आभार प्रदर्शन श्री रामनरेश रावत ने किया।जेईई व नीट परीक्षा मार्गदर्शन कक्षाओं के संचालन के लिए प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर श्री जीएस पटैल को नोडल अधिकारी, श्री रामनरेश रावत उमाशि विषय प्रभारी जीवविज्ञान, श्री राजा ठाकुर उमाशि विषय सह प्रभारी जीवविज्ञान, श्री तरूण मालवीय उमाशि विषय प्रभारी भौतिक विज्ञान, श्री दीपक अग्निहोत्री उमाशि विषय सहप्रभारी भौतिक विज्ञान, श्री आरके श्रीवास्तव प्राचार्य विषय प्रभारी गणित, श्री अभिनव लखेरा उमाशि सह प्रभारी गणित, श्री मनीष शर्मा उमाशि विषय प्रभारी रसायन विज्ञान, डॉ. फिरोज खान उमाशि रसायन विज्ञान सह प्रभारी सहित अलग- अलग टापिक पर गणित विषय के 14, जीव? विज्ञान के 19, रसायन शास्त्र के 15 विषय विशेषज्ञों के द्वारा कक्षाओं का विधिवत संचालन किया जाएगा।

ड्रोन खरीदने के लिए आवेदन आमंत्रित

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिले में प्रत्येक विकासखंड के लिए इंडियन फार्मर फर्टिलाईजर कंपनी द्वारा ड्रोन के साथ इलेक्ट्रिक वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उप संचालक कृषि उमेश कटहरे ने बताया कि कृषि क्षेत्र में ड्रोन संचालन के लिए ड्रोन पायलट के वैध लायसेंस को रखने की वाध्यता रखी गई है। कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय द्वारा किसान ड्रोन क्रय पर अनुदान प्राप्त करने के आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।अनुदान योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत श्रेणी के कृषक/ कस्टम हायरिंग केन्द्र सचालक/ कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) श्रेणियों के अंतर्गत इच्छुक कृषक/ केन्द्र संचालक/ सस्था ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल (farmer.mpdage.org) पर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन के साथ धरोहर की राशि 5 हजार रुपये का डिमाण्ड ड्राफ्ट एवं ड्रोन पायलट के वैध लायसेंस अपलोड करना अनिवार्य होगा। लायसेंस स्वयं का अथवा उनके प्रतिनिधि का हो सकता है। डिमाण्ड ड्राफ्ट संबंधित जिले के सहायक कृषि यंत्री के नाम से बनाया जाना होगा। जिन आवेदनों के साथ धरोहर राशि का बैंक ड्राफ्ट संलग्न नहीं पाया जाएगा, उनके आवेदन अस्वीकार किये जावेगे। पर्याप्त आवेदन प्राप्त होने पर आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया को स्थगित किया जा सकेगा।किसान ड्रोन को क्रय करने पर अनुदान प्राप्त करने की पात्रता निर्धारित की गई है। व्यक्तिगत श्रेणी के अंतर्गत लघु, सीमांत, महिला, अनुसूचित जाति एवं अनुदान की पात्रता यंत्र की कीमत का 50 प्रतिशत अधिकतम 5 लाख रुपये, कस्टम हायरिंग केन्द्र के संचालकों हेतु कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) के लिए जिन आवेदकों अथवा उनके प्रतिनिधियों के पास ड्रोन पायलट के वैध लायसेंस नहीं हैं और यदि वे यंत्र की कीमत का 40 प्रतिशत अधिकतम 4 लाख रुपये की राशि से यंत्र की कीमत का 75 प्रतिशत अधिकतम 7 लाख 50 हजार रुपये है। प्रशिक्षण प्राप्त कर इसे लेना चाहते हैं, उन्हें विभागीय प्रशिक्षण केन्द्र में ड्रोन पायलट लायसेंस प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जा सकता है। प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने पर चयनित आवेदकों अथवा उनके प्रतिनिधियों को अनुदान पर किसान ड्रोन का क्रय करने की पात्रता होगी। प्रशिक्षण में भाग ले रहे आवेदक/ प्रतिनिधि के लिये निर्धारित शुल्क एवं न्यूनतम अर्हताएं के तहत न्यूनतम आयु 18 वर्ष व 10 वीं उत्तीर्ण होना चाहिये। संबंधित का वैध भारतीय पासपोर्ट उपलब्ध होना चाहिए। उपरोक्त प्रशिक्षण शुल्क 30 हजार रुपये जीएसटी अतिरिक्त का शुल्क नियत किया गया है। उपरोक्त शुल्क में से 50 प्रतिशत अधिकतम 15 हजार रुपये एवं जीएसटी अभ्यार्थी को वहन करना होगा तथा शेष 60 प्रतिशत राशि शासन द्वारा वहन की जाएगी। उपरोक्त आवासीय प्रशिक्षण 07 दिवसीय (5 दिवसीय डीजीसीए द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण एवं 2 दिवसीय किसान ड्रोन संचालन) है। आवास एवं भोजन की व्यवस्था निःशुल्क है। जो आवेदक/ प्रतिनिधि उपरोक्त प्रशिक्षण में भाग लेना चाहते हैं, वे अपना ऑनलाईन आवेदन www.mpdage.org पर जाकर कौशल विकास का चयन कर अपनी जानकारी एवं अभिलेख अपलोड करें। संबधित कौशल विकास केन्द्र के अधिकारी के द्वारा पंजीकृत आवेदक के दस्तावेजों का सत्यापन कर अभ्यार्थियों का चयन वैच की उपलब्धता के अनुसार किया जाएगा। प्रशिक्षण प्रारंभ होने के पूर्व संबंधित आवेदक को सूचित किया जाएगा। आवेदक/ प्रतिनिधि को उपस्थिति के समय अपलोड किये गए अभिलेखों को मूल अभिलेखों के साथ मिलान करना होगा। यदि किसी प्रकार की विसंगति प्राप्त होती है, तो सबधित आवेदक/ प्रतिनिधि को प्रशिक्षण में भाग लेने से अपात्र किया जा सकेगा।इस दौरान इफको के क्षेत्रीय अधिकारी श्री अजय प्रताप सिंह, सहायक संचालक श्रीमती सीमा डहेरिया, सहायक संचालक गन्ना श्री अभिषेक दुबे और अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

जिले के सभी शासकीय आईटीआई में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू

नरसिंहपुर। जिले के शासकीय आईटीआई नरसिंहपुर, गाडरवारा, गोटेगांव व तेंदूखेड़ा में सत्र 2024- 25 के लिए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन की अंतिम तिथि 20 मई तक निर्धारित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार https://dsd.mp.gov.in पोर्टल पर पंजीयन करा सकते हैं। पोर्टल पर पंजीयन, आवश्यक त्रुटिसुधार व च्वाइस फिलिंग के लिए निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा। आईटीआई में प्रवेश के इच्छुक सभी पात्र उम्मीदवारों को निर्धारित समयावधि में पोर्टल पर ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। रजिस्ट्रेशन करवाने वाले उम्मीदवारों को ही सीट आवंटन प्रक्रिया में सम्मिलित किया जावेगा। रजिस्ट्रेशन करवाने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।इस संबंध में नजदीकी शासकीय आईटीआई और स्टेशन रोड नरसिंहपुर पर नये बस स्टेंड के पास केन्द्रीय जेल के सामने स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था-आईटीआई में सम्पर्क किया जा सकता है। यह जानकारी प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नरसिंहपुर ने दी है।

प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अधिवक्तागण से नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने की अपील की

नरसिंहपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोषी की अध्यक्षता में समस्त अधिवक्तागण के साथ जिला अभिभाषक संघ नरसिंहपुर के सभागार में बैठक आयोजित की गई। प्रधान जिला न्यायाधीष द्वारा नेषनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणो के निराकरण हेतु अधिवक्ताओ से सहयोग प्रदान करन की अपील की। साथ ही अधिवक्ताओ को अपने पक्षकारो के साथ राजीनामा योग्य प्रकरणो पर चर्चा करने व पक्षकारो को प्रकरण के निराकरण हेतु प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उक्त अवसर पर जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष श्री मुकेष शर्मा द्वारा आगामी नेषनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणो के निराकरण में हर तरह का सहयोग प्रदान करने का आष्वासन प्रदान किया गया। साथ ही विषेष न्यायाधीष व नोडल अधिकारी नेषनल लोक अदालत श्री राजीव के. पाल. द्वारा भी प्रकरणो के निराकरण हेतु विभिन्न सुझाव अधिवक्ताओ को दिए गये। कार्यक्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वैभव सक्सेना ने अधिवक्तागण से अधिक-अधिक प्रकरणों का राजीनामा के माध्यम से निराकरण कर विवाद का अंतिम निपटारा करने का आव्हान किया। अपील कार्यक्रम मे प्रधान न्यायाधीष कुटुम्ब न्यायालय श्री अरविंद रघुवंषी, सीजेएम श्री प्रसन्न सिंह बेहरावत, जिला रजिस्ट्रार श्री राधाकृष्ण यादव सचिव जिला अभिभाषक संघ श्री सुलभ जैन, बार पदाधिकारीगण, वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

विधानसभा-लोकसभा चुनाव ड्यूटी में व्यस्त रहे शिक्षक

सरकारी स्कूलों का गिरा परिणाम, खराब रिज़ल्ट देने वाले टॉप-10 में सोहागपुर के 5 स्कूल

नर्मदापुरम,निप्र। नर्मदापुरम जिले के सरकारी स्कूलों के कई शिक्षक पिछले सत्र में विधानसभा व लोकसभा चुनाव ड्यूटी के व्यस्त रहे। यहीं कारण है कि पढ़ाई छोड़कर शिक्षकों से दूसरे काम कराने में सरकारी स्कूलों का परिणाम बोर्ड परीक्षा में खराब रहा। रिज़ल्ट बिगड़ने के पीछे दूसरा कारण वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सही तरह से मॉनिटरिंग नहीं कर पाना भी रहा है। अफसर निरीक्षण तो करने पहुंचे, लेकिन वो औपचारिक निरीक्षण ही रहा। जमीनी हकीकत को नहीं जाना, कि बच्चों को कितना पढ़ाया गया है या नहीं।जिले में कक्षा 10वीं का 56.83प्रतिशत रहा। जो पिछले की अपेक्षा इस बार एक प्रतिशत कम हुआ। 12वीं के रिजल्ट में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 68.25 प्रतिशत रहा। पिछले साल 40प्रतिशत रिजल्ट आया था।10 वीं में ऐसे 36 स्कूल है, जिनका रिज़ल्ट 30 फीसदी से कम है।

सूची में सोहागपुर, माखननगर और सिवनी मालवा ब्लॉक का नाम बेकार रिज़ल्ट देने में छाया हुआ है। 10वीं के बेकार रिज़ल्ट देने वाले स्कूलों के टॉप-10 में सोहागपुर के 5 स्कूल शामिल है। जिनमें शासकीय हाईस्कूल मगरिया सबसे पहले नंबर पर है। यहां 25 में 22 विद्यार्थी फेल हुए। मात्र 1 विद्यार्थी पास और 2 विद्यार्थी को सप्लीमेंट्री आई है। अच्छी शिक्षा देने की तर्ज पर शुरू की शासकीय मॉडल स्कूल निभौंरा का रिज़ल्ट भी 10 वीं में 15.8फीसदी रहा। 38 में से 6 विद्यार्थी ही पास हुए। 26 फेल और 6 को सप्लीमेंट्री आई है। बोर्ड के रिज़ल्ट से जिले की सरकारी नामी स्कूलों ने नाम डुबाया है। परीक्षा परिणाम की आज मंगलवार को कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में समीक्षा की जाएगी। लगातार बेकार रिज़ल्ट देने वाले स्कूल के प्राचार्य और स्कूल स्टॉफ को कार्रवाई का डर सता रहा हैं। बेकार रिज़ल्ट से निराश करने वाले स्कूलों के अलावा कुछ स्कुल ऐसे भी है। जिन्होंने 100 फीसदी रिज़ल्ट दिया है। जिनमें आदिवासी ब्लॉक, जनजातीय कार्य विभाग के 3 स्कूल और एक शिक्षा विभाग का है। 12वीं में भी श्रेष्ठ 100 फीसदी रिजल्ट देने वाली स्कूलों में आदिवासी ब्लॉक, जनजातीय कार्य विभाग की 2 स्कूल है। इन स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक सम्मान और प्रोत्साहन के हकदार है।

महाकाल मंदिर में पंचकोसी यात्रियों के लिए नि:शुल्क भोजन व्यवस्था, हजारों भक्तों ने किया भोजन प्रसादी

उज्जैन (नप्र)। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित नि:शुल्क अन्नक्षेत्र में मंगलवार को पंचकोसी यात्रा से लौटने वाले श्रद्धालुओं भोजन प्रसादी ग्रहण की। दोपहर में भगवान महाकाल को भोग लगाने के बाद से ही अन्नक्षेत्र में आने वाले यात्रियों के लिए यह सुविधा शुरू कर दी थी।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर नीरज कुमार सिंह की मंशानुसार श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से निशुल्क अन्नक्षेत्र में मंगलवार को पंचकोसी से लौटने वाले यात्रियों के लिए निशुल्क भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई है। सुबह से ही पंचकोसी से आने वाले श्रद्धालुओं ने पहले शिप्रा के रेती घाट पर स्नान कर अष्ठतीर्थ यात्रा के बाद भगवान महाकाल के दर्शन किए। यहां से लौटने के दौरान यात्रियों ने निशुल्क अन्नक्षेत्र में भोजन प्रसादी प्राप्त की। मंदिर समिति द्वारा पंचकोसी यात्रियों की यह सेवा वर्ष 2004 से की जा रही है। मंदिर समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल द्वारा यात्रियों के भोजन प्रसादी व पेय जल की व्यवस्था का सतत निरीक्षण भी किया जा रहा है। इस दौरान अन्नक्षेत्र प्रभारी मिलिंद वैद्य, राजेंद्र सिंह सिसोदिया व अन्य कर्मचारियो द्वारा सेवा भाव से कार्य किया जा रहा है। मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक मृणाल मीना ने बताया कि श्री महाकालेश्वर मंदिर की सभी व्यवस्थाएं दान के माध्यम से ही संचालित होती है। समिति द्वारा संचालित निश्शुल्क अन्नक्षेत्र, गौशाला, चिकित्सा आदि में श्रद्धालु अपनी श्रद्धानुसार दान भी करते है।

माइक्रो आर्टिस्ट ने राई के दाने पर उकेरे सम्राट विक्रमादित्य

युवा कलाकार का नाम इंटरनेशनल बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के एक माइक्रो पेंटिंग आर्टिस्ट द्वारा मार्च में राई के दाने पर बनाई राजा विक्रमादित्य की पेंटिंग को लेकर युवा आर्टिस्ट का नाम इंटरनेशनल बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। इसी तरह की पेंटिंग को लेकर युवा कलाकार अब तक 5 बार वर्ड रिकॉर्ड बना चूका है।

उज्जैन के नानाखेड़ा चौराहे पर स्थित कृष्णा परिसर निवासी माइक्रो आर्टिस्ट पुनीत कदवाने ने माइक्रो आर्ट के माध्यम से 29 मार्च को मात्र 2 घंटे से भी कम समय में राई के दाने पर सम्राट विक्रमादित्य का चित्र बनाया था। जिसको लेकर पुनीत का नाम अब इंटरनेशनल बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सुनहरे अक्षरों में दर्ज किया है। माइक्रो आर्टिस्ट पुनीत कदवाने ने बताया कि इसके पहले वह बाल पेन की निब, शकर के दाने पर भगवान शिव, भगवान राम और चने के दाने पर शिव और नंदी जी के चित्र भी बना चुके हैं। पेंटिंग में अपना ग्रेजुएशन पूरा करने वाले पुनीत ने बताया कि अभी तक उन्होंने 5 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। माइक्रो आर्ट कला को वह पिछले 11 वर्षों से कर रहे हैं। पुनीत का नाम इससे पहले चने के दाने पर बनाई शिव भगवान और नंदी जी की पेंटिंग को लेकर गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज हुआ था। पुनीत का नाम अब तक गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंटरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, फोर्ब्स वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है।

चौथे चरण के सभी 8 संसदीय क्षेत्रों में शांतिपूर्ण मतदान की तैयारी पूरी : श्री राजन

भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त ने की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा

भोपाल (नप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत चौथे चरण के सभी 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। सभी मतदान केन्द्रों पर शीतल पेयजल, जरूरी दवाइयाँ और टेन्ट की व्यवस्था की जा रही है। मतदाता सूचना पर्ची का वितरण कराया जा रहा है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के भी प्रयास लगातार किये जा रहे हैं। तीसरे चरण के मतदान में वर्ष 2019 के चुनाव की तुलना में मतदान प्रतिशत बढ़ा है। चौथे चरण के मतदान

प्रतिशत में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने यह बात भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई चौथे चरण की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा के दौरान कही। श्री राजन ने बताया कि सीमावर्ती राज्यों से लगे नाकों में विशेष सावधानी बरती जा रही है। यहां पर सतत् रूप से कड़ी निगरानी की जा रही है। लगातार जब्ती की कार्यवाही भी की जा रही है।

भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू ने देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगोन और खण्डवा लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक और व्यय प्रेक्षक से अलग-अलग चर्चा कर निर्वाचन तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि व्यय प्रेक्षक मतदान के दिन ज्यादा सतर्कता बरतें। प्रेक्षकों ने जिलों की टीम द्वारा की जा रही निर्वाचन तैयारियों की सिलसिलेवार जानकारी दी।

मोदी-मोदी की गूंज से गुंजायमान हो उठा गगन

उमड़े जनसैलाब से मोदीमय हुआ धार, तेवर, तल्खी और विपक्ष पर प्रहारों से उत्साह और उमंग का शंखनाद कर गये मोदी जी

(राजेश शर्मा)

बाबा धारनाथ- वाग्देवी माँ सरस्वती की ऐतिहासिक नगरी धार के लिए मंगलवार का दिन इतिहास के पन्नों पर दर्ज हो गया. और हो भी क्यों नही इस ऐतिहासिक धरा पर बतौर पीएम मोदी का दुसरी बार आगमन जो हुआ.... लोकप्रिय राष्ट्रनायक - वैश्विक लीडर की छवि के अनुरूप ही मोदी जी का क्रेज धार और संपूर्ण मालवा- निमाड़-वनांचल में देखते ही बन रहा था. हीट वेव सी तपिश पर भी मोदी की झलक देखने और सुनने का उत्साह भारी था... पीएम भी धारानगरी की धरा पर खासे उत्साहित दिखे.. तेवर, तल्खी और विपक्ष पर प्रहारों से उत्साह और

उमंग का शंखनाद कर गये मोदी जी, मोदी को सुनने और जननायक को देखने का ऐसा उत्साह कि मोदी- मोदी की गूंज से मानों गुंजायमान हो उठा हो गगन.. उमड़े जनसैलाब से लग रहा मानों मोदीमय हो गया हो धार ...

राम -राम और भीली भाषा के शब्द वारलू छे से मोदी ने की संबोधन की शुरुआत- मेरे प्यारे भाइयों बहनों राम-राम से मोदी जी ने संबोधन की शुरूआत की। भीली भाषा में वारलू छे। नर्मदा मईया की जय... तीन बार नारा लगवाया। कोटेश्वर, बालीपुर के सभी संतों को प्रणाम.... आप सभी अपना समय निकालकर मुझे आशीर्वाद देने आए है। मेरे लिए बहुत बड़े सौभाग्य की बात है और मै आपका बहुत बहुत आभारी हूं। आप सभी मेरा प्रणाम स्वीकार करिए।

जनता को तय करना है भारत में वोट जिहाद चलेगा या राम राज्य- आज भारत इतिहास के एक अहम मोड़ पर खड़ा है और जनता को ये तय करना है कि भारत में वोट जिहाद चलेगा या राम राज्य। मोदी ने इंडी गठबंधन पर तंज कसते हुए

कहा इंडी गठबंधन वाले सिर्फ अपनी विरासत बचाने के लिए और अपने बच्चों को अपनी पार्टी सौंप कर जाने के लिए ही चुनाव लड़ रहे हैं। इन्हें जनता के सुख-दुःख से कोई फर्क नहीं पड़ता। गठबंधन के नेता 'अपना काम बनता और भाड़ में जाए जनता' के सिद्धांत पर चलते हैं। आज भारत इतिहास के एक अहम मोड़ पर खड़ा है और जनता को ये तय करना है कि भारत में वोट जिहाद चलेगा या राम राज्य। पाकिस्तान में आतंकी भारत के खिलाफ जिहाद की धमकी दे रहे हैं और भारत के कांग्रेस के नेताओं ने भी मोदी के खिलाफ वोट जिहाद करने की घोषणा कर दी है अर्थात एक खास धर्म के लोगों को एकजुट होकर मोदी के खिलाफ वोट करने को कहा जा रहा है। हताशा और निराशा ने कांग्रेस को उसके निम्नतम स्तर पर ले जाकर पटक दिया है। जनता को वोट जिहाद मंजूर नहीं है और भारत का संविधान भी इस जिहाद के लिए अनुमति नहीं देता है। 20 वर्ष पार्टी में रहकर कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की बातें सुनकर समझा जा सकता है कि कांग्रेस की साजिश अत्यंत खतरनाक है। कांग्रेस नेताओं ने राम मंदिर जाने वाली एक कांग्रेस नेत्री को इतना प्रताड़ित किया है कि उन्हें कांग्रेस ही छोड़नी पड़ गई। इसके अलावा कांग्रेस छोड़ने वाले अन्य नेताओं ने बताया है कि कांग्रेस पर माओवादियों ने कब्जा कर लिया है।

आदिवासी समाज, हमारी आजादी और संस्कृति का सबसे बड़ा रक्षक रहा है.. - मोदी ने कहा कि देश का आदिवासी समाज, हमारी आजादी और संस्कृति का सबसे बड़ा रक्षक रहा है। आदिवासी समाज ने ही एक राजकुमार को मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम बनाया है। भारत में टंट्या भील और भीमा नायक की राष्ट्रभक्ति की परम्परा रही है लेकिन इस समृद्ध आदिवासी योगदान को कांग्रेस ने 60 वर्षों तक आगे आने नहीं दिया। जनता ने मोदी को प्रधानमंत्री चुना और भाजपा ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया तथा भाजपा देश के आदिवासी सेनानियों से जुड़े म्यूजियम बना रही है।

बाबा साहब के संविधान की ताकत है नामदार को हटाकर देश ने कामदार को बैठा दिया ..

बाबा साहब का संविधान न होता तो मोदी इस जगह पर नहीं होता। यह बाबा साहब का संविधान हैं जिसके कारण जनता ने मुझे यहां तक पहुंचाया है नहीं तो आज भी एक ही परिवार का राज चल रहा होता। बाबा साहब के संविधान की ताकत है नामदार को हटाकर देश ने कामदार को बैठा दिया और यही वजह है कि कांग्रेस बाबा साहब से नफरत करती है। इसी नफरत में अब कांग्रेस ने एक और चाल चली है। कांग्रेस चाहती है कि संविधान बनाने का श्रेय बाबा साहेब को न मिले। कांग्रेस ने कहना शुरू कर दिया है कि संविधान बनाने में बाबा साहेब का योगदान कम और नेहरु जी की भूमिका ज्यादा थी। हिंदुस्तान का बच्चा बच्चा जानता है की संविधान में सबसे बड़ा योगदान बाबा साहब अंबेडकर का था। इन परिवारवादियों ने पहले देश का इतिहास तोड़ा-मरोड़ा और आजादी के महान सपूतों को भुला दिया। इन परिवारवादियों ने अपना महिमामंडन करने के लिए झूठा इतिहास लिखा और अब ये संविधान को लेकर भी झूठ गढ़ने लगे हैं। सत्य तो यह है की कांग्रेस का परिवार बाबा साहब अंबेडकर से घोर नफरत करता है। कांग्रेस ने अंबेडकर जी की राजनीति को खत्म करने के लिए हर साजिश रची थी। भाजपा सरकार ने कुछ वर्ष पहले बाबा साहब अंबेडकर को भारत रत्न दिया था। मैंने बाबा साहब से जुड़े स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है।

धार-झाबुआ सीट सौभाग्यशाली यहां से मिला दो बहनों को मौका : सीएम डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का राजा भोज की नगरी धार और मध्यप्रदेश की धरती पर आना सौभाग्य की बात है। मोदी जी ने लोकसभा और विधानसभा में भविष्य में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की है। धार-झाबुआ तो और सौभाग्यशाली हैं, यहां से हमारी दोनों प्रत्याशी बहनों को मौका दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब पहली बार मोदी जी आए थे, तो जननायक टंट्या मामा विश्वविद्यालय की सौगात दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी को दुनिया भर में सुशासन वाले प्रधानमंत्री के तौर पर जाना जाता है। आज दुनिया में भारत का डंका बज रहा है और भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। आने वाले पांच सालों में मोदी जी का संकल्प है कि भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था वाला देश बनाएंगे और 2047 तक भारत विश्व गुरू बनेगा। 13 मई को धार - महू से भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर और रतलाम-झाबुआ से भाजपा प्रत्याशी अनिता चौहान को प्रचंड मतों से जिताकर प्रधानमंत्री मोदी जी के हाथ को मजबूत करना है, ताकि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश का विकास निरंतर तेज गति से होता रहे और देश का मान-सम्मान बढ़ता रहे।

सीएम, केंद्रीय मंत्री, डिप्टी सीएम सहित विशिष्ट नेता थे मंचासीन

इस दौरान मंच पर सीएम डा. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते, पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, मंत्री निर्मला भूरिया, पार्टी की प्रदेश महामंत्री व सांसद कविता पाटीदार, पार्टी की प्रदेश मंत्री संगीता सोनी, जयदीप पटेल, सांसद छतरसिंह दरबार, धार जिला भाजपाअध्यक्ष मनोज सोमानी, विधायक नीना वर्मा, विधायक उषा ठाकुर, विधायक कालूसिंह ठाकुर, धार - महू प्रत्याशी सावित्री ठाकुर और रतलाम- झाबुआ प्रत्याशी अनिता चौहान सहित पार्टी के अन्य गणमान्य नेतागण मंच पर उपस्थित रहे।

खास - खास

- विशाल विजय संकल्प रैली में मोदी जी को सुनने लाखों लोग पहुंचे.
- मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश में उमड़ा ये जनसैलाब इस बात का प्रमाण है कि पूरे देश में भाजपा-एनडीए की अभूतपूर्व लहर है। मध्य प्रदेश में जनता जनार्दन के उत्साह से साफ है कि 4 जून को विपक्ष का सूरज अस्त होने वाला है।
- जब तक मोदी जिन्दा है, नकली सेक्यूलरिज्म के नाम पर भारत की पहचान मिटाने की कोशिश सफल नहीं होने देगा।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने नवसारी गुजरात में किया मतदान

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-25 नवसारी गुजरात में आज प्रातः मताधिकार का उपयोग किया। इस अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती नर्मदा बेन पटेल ने भी मतदान किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मतदान केंद्र सेंट फ्रांसिस आशीष कान्वेंट हाईस्कूल, नवसारी में मतदान किया।

प्रदेशभर में अब दिन और रात तपने लगा

सीजन में पहली बार पांच शहरों का पारा 43 डिग्री पार, उमरिया में रात का पारा 30.2 डिग्री

भोपाल (नप्र)। प्रदेशभर में अब दिन और रात तपने लगे हैं। सीजन में पहली बार 5 शहरों में दिन का पारा 43 डिग्री के पार चला गया। वहीं, उमरिया में रात का पारा 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में रात का पारा सीजन में पहली बार 27.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, दिन का पारा 40.7 डिग्री रहा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के मुताबिक, भोपाल में इससे पहले 2022 में मई के पहले हफ्ते में 6 मई को रात का तापमान 27 डिग्री से ज्यादा रहा था।

नौगांव 43.70 सबसे गर्म शहर

खजुराहो, दमोह, नौगांव, टीकमगढ़ और सतना। 43.7 डिग्री के साथ नौगांव सबसे गर्म शहर।

आज कई इलाकों में बारिश संभव

मौसम केंद्र ने सिवनी, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट पर पांढुर्णा जिले में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि, भोपाल समेत मतदान वाले क्षेत्र में बादल छाए रहेंगे। तापमान 41 डिग्री के आसपास रहेगा। प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में 8, 9 और 10 मई को बारिश होने की संभावना है।

पिता आज दिला रहे थे बेटे को कार

पिता बोला-रात 2 बजे हुई थी बात, बोला-बस आ रहा हूं, आई मौत की खबर

ग्वालियर (नप्र)। ऋषभ रात 10 बजे अपने दोस्त वारिद के साथ किसी दोस्त की बर्थ डे पार्टी के लिए गया था। रात 2 बजे जब उसकी दादी ने कॉल किया तो उसने बताया कि वह अभी पूल से निकलकर बाहर आए हैं। बस खाना खाकर आते हैं। पर 3 बजे तक वह नहीं आया तो दादी ने फिर कॉल किया। इस बार कॉल ऋषभ ने नहीं किसी पुलिस वाले ने रिसीव किया। जब उससे पूछा कि मेरे पोते का फोन आपके पास क्यों है, तो पुलिसकर्मी ने बताया कि एक कार विक्की फैक्ट्री चेकिंग पॉइंट के पास बैंक्वेट हॉल की दीवार से टकराई है। उसमें चार युवक सवार थे और दो की मौत हो गई है। जिनमें से एक की जेब में यह मोबाइल था। यह सुनते ही परिजन हॉस्पिटल पहुंचे तो वहां पता लगा कि ऋषभ जाट की मौत हो चुकी है। जैसा कि मृतक छात्र के पिता भगवान सिंह जाट ने मीडिया को बताया।

पूर्व डिप्टी कमिश्नर आज दिलाने वाले थे बेटे को नई कार- नगर निगम के पूर्व डिप्टी कमिश्नर शिशिर श्रीवास्तव तो बेटे की मौत के बाद से सदमे में हैं। अभी वह अपने मूल विभाग पीएचई में वापस पहुंच गए हैं। नगर निगम से उपायुक्त रहते हुए उन्हें कार मिली थी। अब काफी दिन से उनका इकलौता बेटा वारिद श्रीवास्तव कार के लिए जिद्द कर रहा था। उन्होंने अभी हाल ही में बेटे का जीवाजी यूनिवर्सिटी में एमबीए में दाखिला कराया था। उन्होंने बेटा से वादा किया था कि वह 6 मई सोमवार को उसके लिए नई कार खरीदेंगे। पर वो नहीं जानते थे कि रात 10 बजे बेटा किसी दोस्त की बर्थ डे पार्टी में जा तो रहा है पर फिर कभी लौटकर नहीं आएगा। उनका भी रात को बेटे से बात हुई थी तो उनका कहना था कि अभी पूल में नहा रहे हैं और जल्द रेस्टोरेंट में डिनर कर घर आ जाएंगे, लेकिन आई तो उनकी मौत की खबर।

मां ने रात को वारिद को डांटा भी था- वारिद की मां ने रात 2 बजे उसे फोन लगाया तो उसने कुछ देर में आने की बात कही थी। इस पर मां ने उसे डांटा भी था। मां का कहना था कि इतनी रात तक पार्टी करना ठीक नहीं है। माहौल खराब है, लेकिन बेटे ने यह कहते हुए मना लिया था कि मां बचपन के दोस्त का बथर्ड है। इसलिए आज माफ कर दो। वारिद, ऋषभ, जय और मोहित चारों बचपन के दोस्त थे। यह बचपन से डीपीएस में पढ़े थे।

ऋषभ की मां को नहीं बताया कि बेटा नहीं रहा- मृतक छात्र ऋषभ के पिता भगवान सिंह मेडिकल रिप्रेंटेटिव (एमआर) हैं। उन्होंने बताया कि ऋषभ उनका इकलौता बेटा है। उससे बड़ी उसकी एक बहन है, जो गुवाहटी में रहती है। हाल में ऋषभ मामा बना था। यही कारण है कि उसकी मां देखरेख के लिए गुवाहटी में उसकी बहन के घर गई हुई है। ऋषभ अपनी दादी से काफी करीब था। जब तड़के तीन बजे उसकी मौत की खबर आई तो समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें, उसकी मां को गुवाहटी में कैसे बताएं कि इकलौता बेटा नहीं रहा। वहां किसी तरह दामाद को सच्चाई बताई।

रात को घरों से हंसते हुए निकले थे चारों दोस्त

रविवार की रात 9.30 बजे से 10 बजे के बीच सभी दोस्त मिले और वारिद श्रीवास्तव के पिता की कार में बर्थ डे पार्टी मनाने के लिए निकले थे। पर यह कोई नहीं जानता था कि अब कभी वह चारों एक साथ पार्टी नहीं कर पाएंगे, क्योंकि एक हादसे में उनमें से दो दोस्त हमेशा के लिए बिछड़ गए। परिजन ने बताया कि जब घर से निकल रहे थे तो हंसते हुए निकले थे पर हमेशा के लिए रुला गए।

कार, चालक की अपोजिट साइड से टकराई

घटना के समय कार को मोहित चौहान चला रहा था ऐसा पता लगा है। कार में आगे चालक की सीट के पास वारिद और उसके पीछे की सीट पर ऋषभ जाट था, जबकि चालक के पीछे वाली सीट पर जय बैठा था। जब हादसा हुआ तो बैंक्वेट हॉल की दीवार में कार चालक के अपोजिट साइड से टकराई है। उस साइड बैठे वारिद और ऋषभ की मौत हो गई, जबकि दूसरी तरफ बैठे दोनों दोस्त घायल हुए हैं।

ऐसे समझिए पूरा हादसा

शहर के गोला का मंदिर स्थित भाऊ साहब पोतनीश एनक्लेव निवासी शिशिर श्रीवास्तव नगर निगम में डिप्टी कमिशनर थे कुछ दिन पहले ही वह अपने मूल विभाग पीएचई में बतौर असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में पहुंच गए हैं। रविवार रात पूर्व डिप्टी कमिश्नर का बेटा वारिद श्रीवास्तव (21) अपने दोस्त की बर्थ डे पार्टी में शामिल होने के लिए अन्य दोस्तों के साथ हाइवे स्थित एक रिसोर्ट में गए थे। उसके साथ दोस्त ऋषभ जाट, जय यादव व मोहित चौहान भी आए थे। रात तीन बजे के लगभग जब वह पार्टी करने के बाद एक्सयूवी एमपी 07 सीजी-5070 से घर वापस आने के लिए रवाना हुए। कार मोहित चला रहा था और कार स्टार्ट करते ही उसने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी। जब उनकी कार शिवपुरी लिंक रोड पहुंची तो कार अनियंत्रित होकर वीनस वैंक्वेट में जा घुसी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार ऋषभ और वारिद की मौके पर मौत हो गई और मोहित और जय गंभीर घायल हो गए।

मृतक दोनों घर के थे इकलौते चिराग

सड़क हादसे में मृतक वारिद नगर निगम में डिप्टी कमिश्नर रहे शिशिर श्रीवास्तव का इकलौता बेटा था। साथ ही ऋषभ जाट भी अपने घर का इकलौता चिराग था। दोनों की मौत के बाद से परिवार बिखर गया है। दोनों परिवार में कोहराम मच गया है।